राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार 03अगस्त–2021 वर्ष–4, अंक – 191 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

श्रीलंकाई नौसेना ने किया भारतीय मछुआरों पर हमला, फायरिंग में एक जख्मी

नागापट्टिनम। तमिलनाडु के दस मछुआरों पर श्रीलंका की ओर से अचानक हमला किया गया जिसमें एक के जख्मी होने की खबर है। मामले में जांच की जा रही है। अक्कराइपेट्टइ और कीचनकुप्पाम के कुल दस मछुआरे 28 जुलाई को नागापट्टिनम बंदरगाह से मेकैनिक नाव पर सवार हो मछली पकड़ने के लिए रवाना हुए थे। यह जानकारी मतस्यपालन विभाग के अधिकारियों ने दी। इससे पहले भी श्रीलंका की ओर से तमिलनाडु के मछुआरों पर हमले होते रहे हैं।

सोमवार सुबह ये सभी अंतरराष्ट्रीय जल सीमा के करीब कोडियाकरई तट के पास मछली पकड़ रहे थे तभी श्रीलंका की नौसेना ने हमला बोला। नाव में मौजूद दीपनाराज नामक मछुआरे ने बताया, उस इलाके में मौजूद कई नावों पर श्रीलंका के नौसैनिकों ने हमला कर दिया। पहले उन्होंने पत्थर फेंके उसके बाद फायरिंग शुरू कर दी। एक गोली हमारे नाव में मौजूद साथी कलईसेल्वन के सिर में लगी और वह जख्मी हो गया। हमने तुरंत अपने नाव को तट की ओर वापस मोड़ दिया।% मछुआरे ने इस बात पर जोर देते हुए बताया कि जिस वक्त हमला हुआ था ये सभी भारतीय सीमा में थे।

भाजपा नेता के विवादित बयान पर भड़की शिवसेना

सामना में लिखा– तुम्हारी पार्टी का अंत निकट

मुंबई। महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी के विधायक प्रसाद लाड द्वारा शिवसेना भवन को गिराने वाले बयान पर शिवसेना आगबबूला है। इस मामले पर अब शिवसेना ने अपने मुखपत्र सामना में भाजपा पर जमकर हमला बोला है। इस लेख में लिखा गया है कि शिवसेना भवन में बालासाहेब ठाकरे के साथ-साथ छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा है। उनका भगवा झंडा भवन में फहराया जाता है। यह कुछ लोगों को परेशान करता है, इसलिए वे लोग शिवसेना भवन को तोड़ने की बात करते हैं। सामना में आगे लिखा गया है कि भाजपा कभी जमीनी स्तर से जुड़े वफादार कार्यकर्ताओं की पार्टी थी। यहां बाहरी लोगों या गुंडों के लिए कोई जगह नहीं थी। लेकिन अब पार्टी की मूल विचारधारा वाले लोग नीच लोगों को आगे बढ़ा रहे हैं। इसलिए अब इस पार्टी का अंत निकट है। सामना

इस मामले पर अब शिवसेना ने अपने मुखपत्र सामना में भाजपा पर जमकर हमला बोला है। इस लेख में लिखा गया है कि शिवसेना भवन में बालासाहेब ठाकरे के साथ–साथ छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा है। उनका भगवा झंडा भवन में फहराया जाता है। यह कुछ लोगों को परेशान करता है,

में आगे लिखा गया है कि भूमिपुत्रों की अस्मिता का प्रतीक माने जानेवाले शिवसेना भवन को अगर जिस किसी ने भी बुरी नजर से देखा वे सभी नेता व उनकी पार्टी वर्ली की गटर में बह गए। वे फिर दोबारा कभी किसी को नहीं मिल सके। शिवसेना ने अपने मुखपत्र में लिखा कि हमारी पार्टी से कई पार्टियों के राजनीतिक मतभेद हैं और उन्होंने समय-समय पर चुनौती दी। शिवसेना उन चुनौतियों की छाती पर चढ़कर सामना किया लेकिन कभी किसी पार्टी ने तोड़-फोड़ की बात नहीं की।

भाजपा विधायक ने शिवसेना भवन तोड़ने वाले बयान पर मांगी माफी

भाजपा विधायक प्रसाद लाड ने कहा कि मेरे बयान को गलत तरीके से पेश किया गया। उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि मैंने अपने संबोधन में कहा था कि जब हम दादर-माहिम आते हैं, तो यहां इतनी बड़ी पुलिस सुरक्षा तैनात की जाती है जैसे हम शिवसेना भवन पर हमला करने जा रहे हों। उन्होंने कहा कि मैंने अपने बयान के लिए माफी मांगी है। बता दें कि भाजपा विधायक प्रसाद लाड ने धमकी दी थी वे शिवसेना भवन पर हमला करेंगे और फोड़ डालेंगे।

उद्धव ठाकरे ने भी जताई नाराजगी

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने रविवार को अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि धमकाने वाली भाषा बर्दाश्त नहीं की जाएगा और जो लोग ऐसी भाषा का इस्तेमाल करेंगे उन्हें उसी के मुताबिक जवाब दिया जाएगा। किसी को भी हमारे साथ मारपीट की भाषा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए क्योंकि जवाब में हम ऐसा तमाचा मारेंगे कि वह अपने पैरों पर खड़ा होने लायक नहीं बचेगा।

महिला हॉकी टीम की जीत पर पीएम मोदी ने दी बधाई

ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त भी बोले–वेल डन

नई दिल्ली। जापान में खेलों का महाकुंभ ओलंपिक जापान के टोक्यो में जारी है। हर भारतीय हर रोज वहां से मेडल की उम्मीद लगाए बैठता है। हालांकि, भारत के खिलाड़ियों द्वारा वहां अच्छा प्रदर्शन किया जा रहा है। बीते दिन रविवार को भारत को मेडल भी मिला और भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने भी ग्रेट ब्रिटेन को हराते हुए सेमिफाइनल में जगह बनाई, यह करिश्मा 41 साल बाद हुआ था। वहीं, सोमवार को भी भारत के लिए अच्छी खबर हाथ लगी, जिससे भारत के लोगों में खुशी है। अब से थोड़ी देर पहले भारतीय महिला हॉकी टीम ने सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। टीम द्वारा ऑस्ट्रेलिया की महिला हॉकी टीम को हराया गया है। भारत को 1-0 से जीत मिली। इसी के साथ टीम ओलंपिक खेलों के इतिहास में पहली बार सेमीफाइनल तक पहुंचने में कामयाब रही। ऐसे में देश से ढेरों बधाइयां दी जा रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर लिखा, पीवी सिंधु ने न केवल एक योग्य पदक जीता है, बल्कि हमने ओलंपिक में पुरुष और महिला हॉकी टीमों के ऐतिहासिक प्रयासों को भी देखा है। मुझे आशा है कि 130 करोड़ भारतीय भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए कड़ी मेहनत करना जारी रखेंगे क्योंकि यह अमृत महोत्सव मना रहा है। बता दें कि देश की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ पर 75 सप्ताह पूर्व आजादी का अमृत महोत्सव शुरू होने जा रहा है। पूरे देश में यह महोत्सव मनाया जाएगा।

नई शिक्षा नीति के सही क्रियान्वयन से पूरा होगा देश का सपना, दशकों बाद दिखने लगेगा इसका प्रभाव

नई दिल्ली। नई शिक्षा नीति की सफलता का दारोमदार उसे ईमानदारी से लागू किए जाने पर निर्भर है। आजादी के तुरंत बाद यदि देश अपनी जरूरतों के मुताबिक नई शिक्षा नीति लागू करता तो आज यह हालत न होती। कागजी स्तर पर सुधार तो बहुत हुए, लेकिन उन्हें ठीक से लागू नहीं किया गया जिससे मैकाले की आत्मा अजर-अमर होती गयी। हमारी आज की सबसे बड़ी चुनौती यही है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की आत्मा में भारतीयता बसती है। मैकाले की परिकल्पना से अलग इस शिक्षा नीति का मकसद एक भारतीय मनुष्य तैयार करना है, जो एक बेहतर विश्व के निर्माण में योगदान करेगा। इसके लिए स्कूली और उच्च शिक्षा में अनेक परिवर्तन सुझाए गए थे। पिछले एक साल में वास्तव में इन सुधारों पर चर्चाएं ही ज्यादा हुई हैं। एक मुश्किल यह रही कि इस बीच कोविड महामारी के चलते जितनी प्रगति होनी चाहिए थी, उतनी नहीं हो पायी। लेकिन जितना काम हुआ है, वह भी कम नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा पिछले दिनों इसकी प्रथम वर्षगांठ पर जो घोषणाएं की गई, उससे निश्चय ही इसमें गति आएगी। जहां तक उच्च शिक्षा में सुझाए गए बदलावों की बात है, उसके मूल में बहु-अनुशासनिकता प्रमुख है। यानी अब कला, विज्ञान और वाणिज्य जैसी खांचों में बंटी शिक्षा की बजाय युवक के समग्र विकास पर आधारित उदार और लचीली शिक्षा होगी। अब विज्ञान का विद्यार्थी संगीत भी पढ़ पायेगा। साहित्य का विद्यार्थी भी प्रौद्योगिकी सीख पायेगा। यह काम इतना आसान नहीं है। इसके लिए पहले शिक्षकों को अपने मन के भीतर की जंजीरों को तोड़ना होगा, तभी कुछ कामयाबी मिल पाएगी। कुछ केंद्रीय विश्वविद्यालयों ने अंतर-अनुशासनिक विषय पढ़ाने शुरू किये हैं, लेकिन अभी तक उसका खास फायदा नही मिला है क्योंकि शिक्षकों ने ही इसे खुलकर नहीं अपनाया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने उच्च शिक्षा संस्थानों को नई शिक्षा नीति के अनुरूप खुद को बदलने के निर्देश दिये हैं, लेकिन अभी संस्थाएं इस पर चर्चाएं ही कर रही हैं।

ऐसे तो न हो पाएगा सबका टीकाकरण, धीमी है रफ्तार, हर दिन जरूरी 92 लाख टीके

नई दिल्ली। भारत को अगर इस साल के अंत तक अपनी 18 साल और उससे ऊपर की 100 फीसदी आबादी को कोरोना रोधी टीका देना है तो इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए हर दिन देश में 92 लाख खुराकें देनी होंगी। इसी साल 21 जून को भारत ने एक दिन में 88 लाख डोज लगाकर रिकॉर्ड बनाया था। टीकाकरण के लिहाज से यह अब तक भारत का सर्वेश्रेष्ठ सप्ताह रहा था। हालांकि, अब अगर पूरी आबादी का टीकाकरण करना है तो भारत को इस रिकॉर्ड से भी आगे जाना होगा। व्यस्कों की सबसे बड़ी आबादी वाले राज्य- उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में भी 21 जून वाले हफ्ते की तुलना में दोगुने टीके लगाने होंगे।

समाचार पत्र ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि साल 2021 में

भारत में व्यस्कों की आबादी करीब 94 करोड़ है। इसका मतलब है कि इन लोगों के लिए देश में 188 करोड़ टीके की खुराकें चाहिए। जुलाई के आखिर तक देश में टीके की 47 करोड़ खुराक दी गई हैं। यानी अब बचे साल के 153 दिनों में 141 करोड़ खुराकें देनी होंगी, जिसका सीधा सा हिसाब यह है कि हर दिन देश में 92 लाख खुराकें देनी होंगी। सबसे ज्यादा आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश ने टीकाकरण के लिहाज से अपने सर्वश्रेष्ठ सप्ताह में 6.7 लाख खुराके हर दिन दी थी। अब इस साल के आखिर तक यूपी में हर दिन 16.1 लाख खुराकें देनी होंगी और इसमें रविवार भी शामिल हैं। इसी तरह बिहार ने 21 जून वाले अपने सर्वश्रेष्ठ हफ्ते में हर दिन औसतन 3.3 लाख टीके की खुराकें दी थीं लेकिन अब उसे साल के बाकी बचे पांच महीनों में हर दिन औसतन 8 लाख खुराकें मुहैया करानी होंगी।

टीके की आपूर्ति टीकाकरण की धीमी गति की सबसे बड़ी वजह है। हालांकि, सरकार ने यह संकेत दिए थे कि अगस्त में देश को टीके की 15 करोड़ अतिरिक्त खुराकें मिलेंगी, तो वहीं सितंबर में 19-20 करोड़ डोज भारत को मिलेंगी।

कानून बन रहे हैं या फिर पापड़ी चाट

बिना बहस बिल पारित कराने पर टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन का तंज

नई दिल्ली। संसद में पेगासस हैकिंग और तीन कृषि कानूनों पर बहस के लिए अड़ी विपक्षी पार्टियों के हंगामे से सदन की कार्यवाही स्थगित है। हालांकि, हंगामे के बीच भी केंद्र सरकार ने कुछ अहम बिल संसद में पास करवा लिए हैं, जिनको लेकर चर्चा भी कम समय की ही हो सकी। अब टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने सदन में बिना बहस के झट-झट बिल पास कराने को लेकर केंद्र सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने इसकी तुलना पापड़ी चाट बनाने से की है।

तृणमूल सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने ट्वीट किया, पहले 10 दिनों में मोदी-शाह ने 12 बिल पास करवाए और औसतन हर बिल को सिर्फ 7 मिनट मिले। कानून बना रहे हैं या फिर पापड़ी चार्ट! डेरेक ने इसके साथ ही एक चार्ट भी शेयर किया जिसमें बताया गया है कि किस बिल पर कितने समय के लिए चर्चा की गई। इनमें से सबसे कम समय में

कोकोनट डेवलेपमेंट बोर्ड बिल पास किया गया। इस बिल पर सर्फ 1 मिनट की चर्चा हुई। हालांकि, इसमें मंत्री के भाषण का समय शामिल नहीं है।

यह पहली बार नहीं है जब डेरेक ओ ब्रायन ने जल्दी-जल्दी बिल पास कराने को लेकर सरकार पर निशाना साधा हो। इससे पहले साल 2019 में भी तीन तलाक बिल को लेकर उन्होंने तंज कसते हुए पूछा था, क्या हम पिज्जा डिलीवर कर रहे हैं।

अगस्त में दिखेगा कोरोना की तीसरी लहर का कहर, अक्टूबर में पहुंचेगी पीक पर, रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली। भारत में कोरोना की दूसरी लहर का प्रकोप अभी पूरी तरह से खत्म भी नहीं हुआ था और अब विशेषज्ञों ने तीसरी लहर को लेकर चेतावनी जारी कर दी है। विशेषज्ञों ने कहा है कि अगस्त के महीने में कोरोना की तीसरी लहर आ सकती है। जिसमें हर रोज एक लाख कोरोना मामले देखने को मिल सकते हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि खराब स्थिति में कोरोना के मामले डेढ़ लाख तक भी पहुंच सकते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक अगस्त के महीने में शुरू होने वाली तीसरी लहर अक्टूबर में अपने पीक पर जा सकती है। दूसरी लहर में लाचार स्वास्थ्य व्यवस्था की तस्वीर डराने वाली थी अगर तीसरी लहर ने भी ऐसी तबाही मचाई तो देश के लिए मुश्किल हो सकती है। हैदराबाद और कानपुर IIT में मथुकुमल्ली विद्यासागर और मनिंद्र अग्रवाल के नेतृत्व में शोधकर्ताओं का हवाला देते हुए ब्लूमबर्ग ने बताया कि कोविड -19 मामलों में हो रही वृद्धि कोरोनो वायरस महामारी की तीसरी लहर को आगे बढ़ाएगी। उन्होंने बताया कि यह अक्टूबर में चरम पर पहुंच सकती है।

विशेषज्ञों ने कहा कि केरल और महाराष्ट्र में जिस तरह कोरोना के मामले सामने आ रहे हैं इससे स्थिति खराब हो सकती है।

हर दिन डेढ़ लाख कोरोना मामले–हालांकि कोरोन तीसरी लहर, दूसरी लहर जितनी खतरनाक नहीं होगी जब देश में हर रोज 4 लाख कोरोना मामले देखने को मिल रहे थे। इस साल कोरोना की स्थित के बारे में अनुमान लगाने वाले विशेषज्ञों का अनुमान एक गणितीय मॉडल पर आधारित था। मई में, IIT हैदराबाद के एक प्रोफेसर, विद्यासागर ने कहा कि भारत के कोरोना वायरस का प्रकोप आने वाले दिनों में गणितीय मॉडल के आधार पर चरम पर हो सकता है।

केंद्र सरकार की चेतावनी

भारत में रविवार को कोरोना के 41,831 नए मामले सामने आए और 541 लोगों की वायरस से मौत हो गई। केंद्र सरकार ने केरल, महाराष्ट्र और पूर्वोत्तर क्षेत्रों सहित 10 राज्यों को चेतावनी दी है कि बढ़ते संक्रमण के बीच और उन्हें कोरोनावायरस के प्रसार को रोकने के लिए कदम उठाने चाहिए। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि कोरोना वायरस को डेल्टा वेरिएंट चिकनपॉक्स की तरह आसानी से फैल सकता है और वैक्सीन लगवाने वालों में भी फैल सकता है. इंडियन Sars-CoV-2 जीनोमिक कंसोर्टियम के आंकड़ों के अनुसार, मई, जून और जुलाई में हर 10 कोविड -19 मामलों में से लगभग 8 कोरोनोवायरस के अत्यधिक संक्रामक डेल्टा संस्करण के कारण होते थे।

बदलती भाजपा में नया नेतृत्व विकसित कर रहे हैं मोदी और शाह

कुरूक्षेत्र। भारतीय जनता पार्टी अब पूरी तरह नई पीढ़ी के लिए नेतृत्व हस्तांतरण की तैयारी में हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगे की भाजपा को बनाना शुरु कर दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने इसकी शुरुआत अपने मंत्रिमंडल विस्तार और फेरबदल करके की। अगले कदम के रूप में कर्नाटक में येदुयेरप्पा की जगह पूर्व मुख्यमंत्री एसआर बोम्मई के बेटे बसवराज बोम्मई को मुख्यमंत्री बनाया गया है। भाजपा के भीतर चर्चा ये भी है कि देर सबेर मध्य प्रदेश में भी नेतृत्व परिवर्तन होगा और शिवराज सिंह चौहान की जगह नरोत्तम मिश्रा, बीडी शर्मा, प्रहलाद पटेल या किसी और को कमान दी जा सकती है। दरअसल मोदी शाह की जोड़ी अब पूरी तरह से अपने युग की भाजपा तैयार कर रही है जो अटल, आडवाणी और

जोशी युग की छाया से न सिर्फ पूरी तरह मुक्त होगी बल्कि आने वाले दो दशक तक पार्टी नेतृत्व की शिखर पंक्ति में यही चेहरे रहेंगे जिन्हें अब जिम्मेदारियां दी जा रही हैं। गौरतलब है कि भाजपा में इस समय जितने भी क्षेत्रीय छत्रप हैं वो सब अटल-आडवाणी की भाजपा के जमाने में पैदा हुए हैं। सिर्फ योगी आदित्यनाथ ही अकेले ऐसे क्षत्रप हैं जो 2014 के बाद की भाजपा में उभर कर आए हैं। जबकि बीएस येदियुरप्पा, शिवराज सिंह चौहान, वसुंधरा राजे, रमण सिंह का उदय अटल बिहारी वाजपेयी और लाल कृष्ण आडवाणी के दौर में हुआ। एक समय ये सब खुद को नरेंद्र मोदी (जो खुद कभी अटल आडवाणी के दौर में भाजपा के क्षत्रप थे) से कम नहीं समझते थे और इसीलिए 2014 में मोदी की अगुआई में भाजपा के तूफानी उदय के बावजूद इन्हें मोदी को अपना स्वाभाविक नेता मानने में खासी परेशानी होती रही है। दूसरी तरफ मोदी-शाह के लिए इन्हें हटाना या हाशिए पर करना संभव नहीं रहा। लेकिन अब जब नरेंद्र मोदी अपने दूसरे कार्यकाल में हैं और पुराने क्षत्रप भी लगभग निस्तेज से हो रहे हैं तब जहां वसुंधरा राजे और रमण सिंह को चुनावी पराजय ने कमजोर कर दिया, वहीं चुनावी हार के बाद मध्य प्रदेश और कर्नाटक में आपरेशन कमल के जरिए शिवराज सिंह चौहान और बीएस येदुयेरप्पा फिर सत्तासीन हो गए। अब येदुयेरप्पा की विदाई के साथ ही कर्नाटक भाजपा में क्षत्रप सत्ता का अंत हो गया है तो दूसरी तरफ राजस्थान में वसुंधरा राजे को हाशिए पर करने की कोई कसर प्रदेश भाजपा नहीं छोड़ रही है। छत्तीसगढ़ में रमण सिंह की सक्रियता भी अब कम है। अब शिवराज सिंह चौहान को बदलने की व्यूह रचना केंद्रीय नेतृत्व ने शुरु कर दी है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए मेडिकल पाठ्यक्रम में पिछड़े वर्गों को 27.5फीसदी आरक्षण देकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछड़े वर्गों को संतुष्ट करने की कोशिश की है। इसके बाद शिवराज सिंह चौहान का पिछड़े वर्ग से होना केंद्रीय नेतृत्व के रास्ते में आड़े नहीं आएगा। हाल ही में उनकी दो बार की दिल्ली यात्रा के बाद पार्टी के भीतर ये अटकलें और तेज हो गई हैं कि उन्हें इशारा कर दिया गया है और ये कदम कभी भी उठाया जा सकता है।

इसके पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी सरकार के दूसरे कार्यकाल के लगभग बीच रास्ते में मंत्रिमंडल में जो फेरबदल किया है उसके कई संकेत और संदेश हैं। सबसे पहला और बड़ा संदेश यह है कि सात जुलाई 2021 को जो नया मंत्रिमंडल बना है वह अब 2024 तक के लिए जितनी भी राजनीतिक और चुनावी चुनौतियां हैं उनसे निबटने के लिए न सिर्फ टीम मोदी है, बल्कि एक तरह से यह भाजपा के भीतर उत्तराधिकार के सवाल को भी हल करने की कोशिश है। कहा जा सकता है कि प्रधानमंत्री ने आगे की भाजपा तैयार कर दी है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

अंतरिक्ष में समन्वय

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन का कुछ देर के लिए नियंत्रण से बाहर हो जाना चिंता की बात है। यह कुछ विकसित देशों का साझा उपक्रम है, जिस पर पूरी दुनिया की निगाह है। अंतरिक्ष संबंधी शोध के लिए विकसित हो रहे इस अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र को संबंधित देश अपने-अपने हिसाब से नियंत्रित व संचालित करने में लगे हैं, इसी का नतीजा है कि यह केंद्र करीब 45 मिनट तक नियंत्रण से बाहर हो गया था। खास बात यह है कि रूसी मॉड्यूल ने, जिसका नाम नौका है, अंतरिक्ष स्टेशन को नियंत्रण से बाहर क्यों कर दिया, इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं मिली है। हालांकि, रूसी अधिकारियों ने इसके लिए अल्पकालिक सॉफ्टवेयर विफलता को जिम्मेदार ठहराया है। अमेरिकी अंतरिक्ष अनुसंधान एजेंसी नासा के अंतरिक्ष स्टेशन कार्यक्रम प्रबंधक के अनुसार, रूसी अनुसंधान मॉड्यूल नौका के जेट थ्रस्टर्स की अनियोजित फायरिंग के कारण आईएसएस ने अपनी दिशा बदल दी। शुरुआती जांच में यह साफ हो गया है कि गड़बड़ी रूसी अंतरिक्ष एजेंसी की ओर से हुई है। रूसी अंतरिक्ष एजेंसी कंपनी एनर्जिया के डिजाइनर जनरल व्लादिमीर सोलोविओव ने अपने बयान में कहा है कि बहुद्देशीय प्रयोगशाला मॉड्यूल के थ्रस्टर्स को सक्रिय करने के लिए एक सीधा आदेश गलती से जारी किया गया था। उन्होंने कहा कि सॉफ्टवेयर की विफलता के कारण अंतरिक्ष केंद्र की दिशा में कुछ बदलाव हुआ। रूसी एजेंसी द्वारा कमी को मानना अच्छी बात है, लेकिन अंतरिक्ष केंद्र में किसी हल्के या मामूली से लगने वाले बदलाव को भी गंभीरता से लेना चाहिए। ऐसे केंद्र बहुत मुश्किल से सालों की मेहनत से खड़े होते हैं, उन पर किसी प्रयोग में गलती नहीं होनी चाहिए।

वैसे गलती सुधारने के लिए रूसी एजेंसी भी सक्रिय हो गई थी, पर इसमें नासा का योगदान ज्यादा माना जा रहा है। अंतरिक्ष केंद्र को जमीनी वैज्ञानिकों की टीम ने फिर सही दिशा में डाल दिया है। अब कई सवाल खड़े हो गए हैं। क्या अमेरिकी व रूसी अंतरिक्ष एजेंसी में होड़ तेज हो रही है? क्या दोनों एजेंसियां अपने-अपने हिसाब से अंतरिक्ष केंद्र का नियंत्रण हासिल करना चाहती हैं? ह्यूस्टन, टेक्सास में जॉनसन स्पेस सेंटर में नासा के विशेषज्ञों का हवाला देते हुए रूस की सरकारी समाचार एजेंसी आरआईए ने अंतरिक्ष स्टेशन पर नियंत्रण हासिल करने के संघर्ष को दो मॉड्यूल के बीच की रस्साकशी के रूप में वर्णित किया है।

वैज्ञानिकों और विकसित देशों की सरकारों को सजग हो जाना चाहिए। जो अंतरिक्ष केंद्र मिल-जुलकर बना है, उसे समन्वय के साथ चलाने में ही दुनिया की भलाई है। ध्यान रहे, जब अंतरिक्ष केंद्र में समस्या पैदा हुई, तब उसमें सात वैज्ञानिक-चालक सवार थे। उन्हें कोई नुकसान नहीं हुआ है। गौर करने की बात है कि अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन बाहरी अंतरिक्ष में शोध स्थल है, जिसे पृथ्वी की निकटवर्ती कक्षा में स्थापित किया गया है। यह परियोजना 1998 में शुरू हुई थी और 2011 में बनकर तैयार हुई। यह स्टेशन अब तक बनाया गया सबसे बड़ा मानव निर्मित उपग्रह है। इसे बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने वाले अमेरिका, रूस, जापान, कनाडा और यूरोपीय देशों को सतर्क होकर आगे बढ़ना चाहिए, ताकि उनके बीच परस्पर विश्वास बना रहे, जिससे इस केंद्र को आगे बड़ी कामयाबियां हासिल हों।

बिना परीक्षा परिणाम

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने कक्षा बारहवीं का बिना परीक्षा के तैयार परिणाम घोषित कर दिया है। 99.37 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए हैं, जबकि 0.47 प्रतिशत की कंपार्टमेंट आई है। हर बार की इस बार भी लड़कियों का प्रदर्शन बेहतर रहा। लड़कों का उत्तीर्ण फीसद 99.13 है, जबकि लड़कियों का फीसद 99.67 है। बोर्ड ने बताया है कि करीबन 65 हजार बच्चों का परीक्षा परिणाम अभी तैयार नहीं किया जा सका है, पांच 5 अगस्त को जारी किया जाएगा। सीबीएसई के इतिहास में यह अब तक सबसे ज्यादा पास प्रतिशत वाला परिणाम है यानी अब तक का सर्वश्रेष्ठ परिणाम है। इस लिहाज से ऐतिहासिक भी है। यह भी पहली दफा था कि पूरे साल पढ़ाई कोरोना महामारी के चलते बाधित रही। ऑनलाइन शिक्षण हुआ लेकिन शिक्षा ग्रहण करने का यह नया स्वरूप ज्यादातर छात्रों को रास नहीं आया। कह सकते हैं कि उन्हें कायदे से पढ़ाई करने में दिक्कत दरपेश रही। बोर्ड में इस बार बारहवीं के इम्तिहान के लिए 1304561 परीक्षार्थियों ने नामांकन कराया था, जिनमें से 1296318 सफल घोषित किए गए। इस बार 95 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले छात्रों की संख्या पिछले साल के मुकाबले ड़बल हो गई। ऐसे में कॉलेजों में दाखिला लेने वालों के लिए कटऑफ बढ़ना तय है या कहें कि कॉलेजों में प्रवेश के लिए दिक्कत बढ़ने वाली है। भले ही परीक्षा नहीं ली गई थी लेकिन परिणाम तैयार करने का फॉर्मूला ऐसा रखा गया कि परिणाम रस्मअदायगी पर न रहने पाएं। इस काम में स्कूलों का भी सहयोग लिया गया। सॉफ्टवेयर की मदद से परीक्षार्थियों के दसवीं और ग्यारहवीं की परीक्षाओं के परिणामों के आकलन से परिणाम तैयार किए गए। जिस तरह से परिणाम तैयार किए गए हैं, उससे पास होने वालों की संख्या ज्यादा हैग और प्रतिशत भी खासा ज्यादा है। सो, उच्च शिक्षा के इच्छुक छात्रों की संख्या सामान्य वर्ष की तुलना में ज्यादा रहेगी। जरूरी हो गया है कि प्रवेश के लिए अंकों को वेटेज देने की बजाय एंटरेंस टेस्ट कराया जाए। एक तो इससे प्रवेश के इच्छुक छात्रों की ज्यादा संख्या की समस्या का समाधान हो सकेगा। दूसरा, गंभीर और प्रतिभावान छात्र चयन से वंचित नहीं होने पाएंगे। बीते साल कोरोना महामारी के कारण शिक्षण बाधित रहा। परीक्षा नहीं कराई जा सकी। महामारी को लेकर अभी भी अनिश्चित स्थिति है, लिहाजा शिक्षा क्षेत्र में चुनौती बनी रहेगी।

परिधि/राजीव मंड़ल

पब्लिक है, सब जानती है

घोटालों की जब भी बात होती है तो बिहार की नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार की दलील होती है कि भ्रष्टाचार पर उसकी 'जीरो टॉलरेंस' है। मगर इस दलील का दूसरा पक्ष भी है, जो सुशासन की पोल खोलता है।। सृजन घोटाला हो या बाल सुधार गृह कांड़-अपराध और गड़बड़झालों की लंबी फेहरिस्त है। एक और तरह का घोटाला सूबे को बदनाम कर रहा है। करोड़ों की लागत से पुल और ओवरब्रिज बनते हैं, मगर टूटने के लिए। इस बात के एक नहीं बल्कि कई उदाहरण हैं। ताजा मामला गया का है जहां 13 करोड़ की लागत से बन रहा पुल नदी में समा गया। 16 पिलर देखते-ही-देखते बाढ़ के पानी में डूब गए। इसके चंद घंटे बाद ही बांका में करीब 5 करोड़ की लागत से चांदन नदी पर बना डायवर्जन देनर रात नदी में पानी के तेज बहाव के बीच बह गया। उससे पहले गोपालगंज में पिछले साल 8 वर्ष से बन रहा पुल उद्घाटन के 29वें दिन ताश के पत्तों की तरह ढ़ह गया। हद तो यह है कि सरकार ने पुल ढ़हने की बात को सिरे से खारिज कर दिया। यहां तक कि उल्टे ग्रामीणों के ऊपर ही केस दर्ज करा दिया गया। ऐसे में कैसे बेईमानी से लड़ा जाएगा? याद कीजिए, इसी सरकार में चूहे करोड़ों की शराब पी चुके हैं। अब यह भ्रष्टाचार नहीं तो क्या है? आखिर, सरकार या संबंधित विभाग के मंत्री ने पहले के मामलों में क्या कदम उठाया? क्या किसी इंजीनियर या ठेकेदार के खिलाफ कोई कार्रवाई हुई? क्या मंत्री को हटाया गया या उनसे जवाब-तलब किया गया?

आश्चर्य की बात है कि सरकार की तरफसे ऐसा कोई कदम नहीं उठाया गया है। यही वजह है कि लगातार एक-के-बाद-एक पुल भरभरा कर गिर रहे हैं। दरअसल, बिहार में पुल नहीं सरकार की साख ढ़ह रही है, और सरकार थोथे तर्कों के तीर चला रही है। करप्शन की सीमेंट और घोटाले की रेत पर पुल बन रहे हैं, और जमींदोज हो रहे हैं। सालों-साल चलने वाले नहींग बल्कि कुछ ही दिनों के मेहमान रहते हैं पुल। स्यापा देखिए कि सरकार इसे भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि प्राकृतिक आपदा बताती है। राज्य में कुछेक घटना तो ऐसी हुई कि पुल उद्घाटन से पहले ही गिर गया। पिछले सितम्बर में किशनगंज जिले के दिघलबैंक प्रखंड के गोवाबाड़ी में 1.41 करोड़ की लागत से बना पुल कांकई नदी की धारा में बह गया। बिहार की वर्तमान सरकार भले ही अपनी कमियों का ठीकरा पूर्व की सरकार पर मढ़े, मगर पब्लिक सब जानती है।

पेगासस से आगे खड़े खतरे

हरजिंदर

कभी इजरायल की सरकार जिस पेगासस स्पाईवेयर को अपनी उपलब्धि बताकर दुनिया भर के देशों को बेचा करती थी, अब उसे ही पेगासस बनाने वाली कंपनी के दफ्तरों पर छापा डालना पड़ रहा है। फ्रांस की सरकार ने जिस तरह से इस मसले पर अपना विरोध जताया, उसके बाद इजरायल सरकार के पास कोई चारा भी नहीं था। दुनिया भर में इजरायल के साथ खड़ी होने वाली सरकारें वैसे ही बहुत कम हैं। ऐसे में, पश्चिमी यूरोप के एक महत्वपूर्ण देश को अपना विरोधी बनाना उसे महंगा पड़ सकता था। यह संकट कितना बड़ा था, इसे इससे भी समझा जा सकता है कि बात ज्यादा न बिगड़े, इसके लिए इजरायल को अपने रक्षा मंत्री को पेरिस भेजना पड़ा। फ्रांस का विरोध भी पूरी तरह जायज था। तो क्या इजरायल सरकार की ताजा सक्रियता से पेगासस पीड़ित लोग या देश और निजता व मानवाधिकारों की चिंता करने वाले कोई उम्मीद बांध सकते हैं? शायद नहीं।

वैसे उम्मीद बांधने का एक और कारण मौजूद है। संयुक्त राष्ट्र के एक प्रस्ताव को इन दिनों फिर से झाड़-पोंछकर निकाला गया है, जो इस तरह के स्पाईवेयर, यानी जासूसी सॉफ्टवेयर को खरीदने-बेचने पर पाबंदी लगाने की बात करता है। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र के ऐसे प्रस्ताव अगर वाकई किसी काम के होते, तो दुनिया में आतंकवाद कब का खत्म हो गया होता और कहीं भी न अंतरराष्ट्रीय रंजिशें होतीं और न हथियारों की होड़।

इस पूरे मामले की जटिलता को समझने के लिए हमें पेगासस को समझना होगा। पेगासस एक व्यावसायिक स्पाईवेयर है, जिसे एनएसओ नाम की इजरायली कंपनी बनाती और दुनिया भर में बेचती है। ऐसी कंपनियों की बहुत सी बातें सार्वजनिक होती हैं, जैसे उनके स्वामित्व की जानकारी, उनके लाभ-हानि का खाता आदि। फिर ऐसी कंपनियों को ज्यादा बिक्री करने और ज्यादा लाभ कमाने के लिए अपना लगातार प्रचार करना होता है। ऐसे में, बहुत सारी बातें छिपी नहीं रह सकतीं, बावजूद तमाम सावधानियों के। लेकिन स्पाईवेयर के सभी मामलों में ऐसा नहीं होता।

तीन साल पहले जब गूगल आईफोन में इस्तेमाल होने वाले अपने एप की जांच कर रहा था, तब उसने पाया कि आईफोन में एक ऐसा स्पाईवेयर है, जो उपयोगकर्ताओं के संदेश और कई अन्य डाटा चुरा रहा है। आगे जांच में यह भी स्पष्ट हो गया कि सारा डाटा चीन के किसी ऐसे सर्वर में पहुंचाया जा रहा है, जो इस चोरी में चीन की सरकार के शामिल होने की ओर इशारा करता था। सरकारें या सरकारी संस्थाएं जब ऐसे काम करती हैं, तब सब कुछ चुपचाप होता है और बड़ी मुश्किल से या संयोगवश ही किसी को उसकी भनक लग पाती है। इसी घटना के बाद से चीन में बने सभी एप और सॉफ्टवेयर को पूरी दुनिया में शक की नजरों से देखा जाता है।

यह माना जाता है कि अगर जासूसी की कोई आधुनिक तकनीक संभव है, तो वह अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के पास तो होगी ही। सीआईए में काम कर चुके व्हिसल ब्लोअर एडवर्ड स्नोडेन ने जो खुलासे किए हैं, वे इसके बारे में बहुत कुछ बताते हैं। सॉफ्टवेयर तकनीक के जानकार स्नोडेन ने ऐसे कुछ तरीकों का प्रदर्शन भी किया है, जिनके जरिये इस तरह की जासूसी से बचा जा सकता है। लेकिन स्नोडेन ने जब सीआईए छोड़ा था, तब से अब तक तकनीकी जासूसी वाली महारत काफी आगे बढ़ चुकी होगी।

अगर सीआईए ऐसा कर सकती है, तो ब्रिटिश खुफिया एजेंसी एमआई-5 ने ऐसी कोशिश नहीं की होगी, यह कैसे मान लिया जाए? साइबर जासूसी में रूस के कारनामे तो पिछले कुछ समय से दुनिया भर में चर्चा का विषय बने हुए हैं। और यह मानने का भी कोई कारण नहीं है कि इजरायल से विरोध जताने वाले फ्रांस की खुफिया एजेंसी डीजीएसई ने ऐसी कोशिश से परहेज किया होगा। खुद भारत ने भी ऐसे कामों के लिए नेशनल टेक्निकल रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन नामक संस्था बनाई है, जो सीधे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के मातहत काम करती है। अटल बिहारी वाजपेयी के शासनकाल में बनी यह संस्था कितनी सफल रही है, इसे हम नहीं जानते, लेकिन कुछ घपलों-घोटालों के लिए यह विवादों में जरूर रही है। वैसे यह भी माना जाता है कि सफल खुफियागिरी वही है, जिसकी सफलता-विफलता के बारे में किसी को खबर न लगे। ऐसे काम क्योंकि सरकारी एजेंसियां करती हैं, इसलिए अमूमन उनके बारे में बहुत ज्यादा पता नहीं चल पाता है।

पेगासस सरकारी एजेंसी न होकर एक निजी कंपनी है, इसलिए विवाद उठते ही उसके बारे में बहुत कुछ पता चल गया। यह भी मालूम हो गया कि उसके स्पाईवेयर की कीमत कितनी है और यह भी कि जिन स्मार्टफोन की इससे जासूसी की जा रही है, यह उन सबकी कुल कीमत से भी हजारों गुना महंगा है। पहली नजर में यह धंधा काफी मुनाफे वाला लगता है, और इसलिए संभव है कि दुनिया भर की अन्य कंपनियां भी इस कारोबार में कूदने की कोशिश करें। यह भी हो सकता है कि कैलिफोर्निया की कोई कंपनी इसे विकसित करने का काम बेंगलुरु या गुड़गांव के किसी स्टार्टअप को सौंप दे। फिर, जो पाकिस्तान परमाणु बम बनाने की कोशिश कर सकता है, वह इसे बनाने की कोशिश क्यों नहीं करेगा?

पेगासस का मामला दरअसल एक ऐसी दुनिया में आया है, जो निजता के हनन के खिलाफ अपनी लड़ाई लगभग हार चुकी है। आपकी निजता हर क्षण बड़े पैमाने पर दुनिया भर के बड़े-बड़े सर्वरों के हवाले हो रही है। इसका एक मुकम्मल बाजार विकसित हो चुका है, जहां हमारी-आपकी निजता की बोली भी लगती है और इसकी खरीद-फरोख्त भी होती है। पेगासस जैसे स्पाईवेयर किसी की भी निजता को हड़पने का यही काम ज्यादा गहराई से करते हैं, लेकिन वे इस बाजार में नहीं आते। वे निजता के कारोबार में नहीं हैं, बल्कि वे निजता के राजनीतिक इस्तेमाल के लिए बनाए गए हैं, जो कई तरह से ज्यादा खतरनाक बात है।

जब तक दुनिया में निजता के हनन के तरीके मौजूद हैं, ऐसे स्पाईवेयर विकसित होते रहेंगे। क्या इन्हें रोका जा सकता है? खासतौर पर तब, जब इसके लिए लड़ने वाली ताकतें थक चुकी हैं और कई अदालतों में हार चुकी हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

> जब तक दुनिया में निजता के हनन के तरीके मौजूद हैं, ऐसे स्पाईवेयर विकसित होते रहेंगे। क्या इन्हें रोका जा सकता है? खासतौर पर तब, जब इसके लिए लड़ने वाली ताकतें थक चुकी हैं और कई अदालतों में हार चुकी हैं।

कोरोना

लापरवाही देश को पड़ सकती है भारी

रमेश सर्राफ धमोरा

कोरोना की दूसरी लहर के बाद किए गए सीरो सर्वे में देश के 68 फीसदी लोगों में एंटीबॉडी पाई गई है। इसमें वो लोग भी शामिल हैं जिन्हें टीका लगाया जा चुका है। इसके बावजूद प्रतिदिन नये कोरोना मरीजों के आंकड़ों का 40 हजार के आसपास रुक जाना किसी खतरे की घंटी से कम नहीं है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन व दुनिया के बड़े वैज्ञानिक व चिकित्सा विशेषज्ञ सभी देशों को लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि वह अपने यहां लगाई गई पाबंदियों में ढील ना दें। दुनिया भर में जल्दी ही कोरोना की तीसरी लहर आने वाली है। कई देशों में तो कोरोना की तीसरी लहर प्रारंभ भी हो चुकी है। विशेषज्ञों का कहना है कि तीसरी लहर में कोरोना का वायरस पहले से ज्यादा प्रभावी होगा, जिसके बड़े दुष्परिणाम देखने को मिल सकते हैं। ब्रिटेन, अमेरिका, रूस समेत कई बड़े देशों में कोरोना के बढ़ते आंकड़े भारत के लिए चिंता बढ़ाने वाले हैं। दुनिया भर में कोरोना वैक्सीन लगाए जाने के बावजूद जिस तेजी से कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं। उससे इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि कोरोना की तीसरी लहर शुरू हो चुकी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बार-बार लोगों को चेता रहे हैं कि बेवजह घरों से निकलकर अनावश्यक भीड़भाड़ इक्ठी ना करें। प्रधानमंत्री ने पहाड़ी क्षेत्रों के पर्यटन स्थलों पर उमड़ रही पर्यटकों की भीड़ पर भी नाराजगी जताते हुए उन राज्य सरकारों को चेताया है कि बड़ी संख्या में पर्यटक एकत्रित होकर कोरोना गाइडलाइन की पालना भी नहीं कर रहे हैं। ऐसे में वे स्वयं व घर आकर अपने परिवार के लोगों को भी संक्रमित करेंगे। इससे बचने का एकमात्र उपाय है अपने घरों पर ही रहे। कोरोना वायरस की दूसरी लहर अभी पूरी तरह से खत्म नहीं हुई है। इसी बीच कई राज्यों से नए मामले बढ़ने की खबरें सामने आने लगी हैं।

केरल में कोरोना संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में केरल सरकार की ओर से बकरीद पर लॉकडाउन में ढील दिए जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई व जमकर फटकार लगाते हुए कहा कि यह अफसोस की बात है कि राज्य सरकार व्यापारी संगठनों के दबाव में आ गई। उन इलाकों में भी दुकान खोलने की अनुमति दी जहां कोरोना दर 15 फीसदी से अधिक है और लोगों की जान को खतरे में डाल दिया।

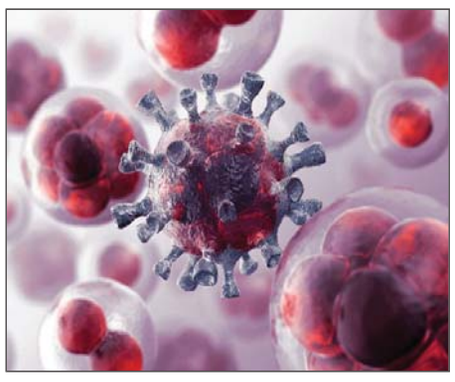

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केरल सरकार ने बकरीद के अवसर पर इस तरह की छूट देकर देश के नागरिकों के लिए राष्ट्रव्यापी महामारी के जोखिम को बढ़ा दिया है। कोरोना की दूसरी लहर के बाद किए गए सीरो सर्वे में देश के 68 फीसदी लोगों में एंटीबॉडी पाई गई है। इसमें वो लोग भी शामिल हैं जिन्हें टीका लगाया जा चुका है। इसके बावजूद प्रतिदिन नये कोरोना मरीजों के आंकड़ों का 40 हजार के आसपास रुक जाना किसी खतरे की घंटी से कम नहीं है। विशेषज्ञों ने चिंता जताते हुए कहा है कि कोरोना के आंकड़े जिस तरह से स्थिर हो गए हैं। उसे देखने के बाद संभावना है कि आंकड़ों में बहुत जल्दी बढ़ोत्तरी देखने को मिले। देश के 13 राज्यों में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में बढ़ोत्तरी दर्ज की जा रही है। केरल, आंध्र प्रदेश, ओडिशा के अलावा पूर्वोत्तर के कई राज्यों में जिस तेजी से कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं वो डराने वाले हैं।

देश में अभी प्रतिदिन 40 हजार कोरोना के नए केस मिल रहे हैं। जबकि देश में पहली बार संपूर्ण लॉकडाउन लगा था तब मात्र 85 कोरोना पॉजिटिव केस मिले थे। उससे तुलना करें तो वर्तमान स्थिति बहुत चिंताजनक है। देश में अभी तक तीन करोड़ नौ लाख के करीब कोरोना पॉजिटिव केस मिल चुके हैं। जिनमें से तीन करोड़ पांच लाख यानी 99 प्रतिशत कोरोना पॉजिटिव केस रिकवर हो चुके हैं। वही 4 लाख 20 हजार लोगों की कोरोना से मौत हो चुकी है जो एक प्रतिशत है। देश में अभी तक कोरोना के 35 करोड़ नमूने लेकर उनकी जांच की जा चुकी है। वर्तमान में भी प्रतिदिन 17 से 18 लाख कोरोना के नमूनों की देश में जांच की जा रही है। पूर्वोत्तर के आठ प्रदेशों में कोरोना पॉजिटिव केसों में एकाएक बढ़ोतरी होना बड़ी चिंता का विषय है। कोरोना की पहली लहर में पूर्वोत्तर के आठ प्रदेश कोरोना से ज्यादा प्रभावित नहीं हुए थे। मगर इस बार वहां कोरोना का काफी प्रभाव देखने को मिल रहा है। अभी देश में कोरोना से प्रतिदिन होने वाली मौत का आंकड़ा 500 से अधिक है। कोरोना की दूसरी लहर गुजर जाने के बाद भी लगातार 40 हजार से अधिक पॉजिटिव केसों का मिलना व 500 लोगों की प्रतिदिन मौत पर काबू नहीं हो रहा है। ऐसे में यदि कोरोना की तीसरी लहर आ जाती है तो स्थिति एक बार फिर बिगड़ सकती है।

कोरोना की दूसरी लहर में पूरे देश ने देखा था कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकार पूरी तरह फेल हो गई थी। देश में ऑक्सीजन को लेकर हाहाकार मचा था। यहां तक कि पानी के जहाजों से विदेशों से भी ऑक्सीजन मंगवानी पड़ी थी। दूसरी लहर के बाद देश के सरकारी व निजी अस्पतालों में तेजी से ऑक्सीजन गैस प्लांट लगाए जा रहे हैं जो काफी नहीं है। ऑक्सीजन के मामले में महाराष्ट्र सबसे पहले आत्मनिर्भर होने वाला राज्य बना है। देश के अन्य राज्यों को भी ऑक्सीजन उत्पादन के क्षेत्र में महाराष्ट्र मॉडल का अनुसरण करना चाहिए।

देश में अभी कोरोना की तीन कंपनियों की वैक्सीन उपलब्ध हैं जो पर्याप्त नहीं हैं। सीरम इंस्टीट्यूट की कोवोशिल्ड ही बड़ी मात्रा में उत्पादित हो रही है। भारत बायोटेक की कोवैक्सीन का उत्पादन अभी बहुत कम है। रूस की स्पुतनिक वी अभी कम संख्या में ही आयात की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि वैक्सीन ही कोरोना का सबसे बड़ा बचाव का साधन है। मगर सरकार पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन उपलब्ध नहीं करवा पा रही है। देश में मात्र 42 करोड़ लोगों को ही अभी तक वैक्सीन की एक डोज लगाई गई है।

कोरोना नियंत्रण की दिशा में महाराष्ट्र, राजस्थान, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु ने अभी तक लॉकडाउन के दौरान की गई पाबंदियों को पूरी तरह नहीं हटाया है। इस कारण वहां कोरोना नियंत्रण में बड़ी सफलता मिली है। पर्वतीय राज्य उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश की राज्य सरकारें होटल मालिकों के दबाव में पर्यटकों को लुभाने के लिए कोरोना गाइडलाइन की पालना नहीं करवा पा रही हैं। जो पूरे देश के लिए परेशानी का सबब बन सकता है। देश के लोगों को अभी भी कोरोना गाइडलाइन का पूरी तरह पालन करना चाहिए ताकि सभी के सहयोग से कोरोना को मात दी जा सके।

डग्गामार वाहन

मौत की नींद सुलाती झपकी

राजकेश्वर सिंह

उत्तर प्रदेश में अवैध बसों का संचालन अघोषित रूप से बड़े उद्योग का रूप लेता जा रहा है। नोएडा से आगरा तक जाने वाले यमुना एक्सप्रेसवे और आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे बनने के बाद से तो इस अवैध धंधे को जैसे पंख ही लग गए हों, लेकिन इस धंधे की बड़ी कीमत लोगों को जान देकर चुकानी पड़ रही है। इन दोनों सड़कों पर साल भर बड़े हादसे होते रहते हैं। खासकर उन सैकड़ों डग्गामार (अवैध) बसों की वजह से जो बिहार और उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल के जिलों और लखनऊ से कानून-कायदे को ताक पर रखकर बेरोकटोक चल रही हैं।

अवैध बसों के संचालन का ताजा मामला इसलिए सुतखयों में है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डग्गामार बसों के संचालन को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की बात कही है। यह नौबत भी शायद इसलिए आई कि बीते दिनों पंजाब और हरियाणा के 135 मजदूरों को लेकर बिहार जा रही एक डबल डेकर बस की 18 सवारियों की बाराबंकी में हुई दुर्घटना में मौत हो गई। 25 घायल हो गए जिनमें 11 की हालत गंभीर बताई गई। लिहाजा, प्रदेश के मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से जवाब तलब किया है कि आखिर, हरियाणा से चली बिना परमिट बस की जांच क्यों नहीं की गई? वह प्रदेश में प्रवेश कैसे कर गई? मुख्यमंत्री ने कहा है कि अवैध रूप से चल रहे वाहनों का संचालन हर हाल में रोका जाए। सरकार की तरफ से सख्ती का इशारा मिलते ही परिवहन विभाग ने बिहार, झारखंड, दिल्लीग हरियाणाग पश्चिम बंगाल और पंजाब से उत्तर प्रदेश की सीमा में प्रवेश करने वाले अवैध वाहनों पाए जाने पर आरटीओ को जवाबदेह बनाने की बात कही है। लेकिन सवाल है कि आखिर, कार्रवाई का यह टोटका कितने दिनों के लिए है? क्योंकि जब भी इस तरह की कोई बड़ी दुर्घटना होती है, तब सरकार, शासन, प्रशासन कुछ दिनों तक ऐसे टोटके करके फिर पुराने ढर्रे पर आ जाते हैं। याद कीजिए, अरसा पहले यमुना एक्सप्रेसवे पर एक सरकारी बस दुर्घटनाग्रस्त होकर झील में जा गिरी थी, जिसमें 29 यात्रियों की मौत हो गई थी। मामला राज्य सभा में भी उठा था।

सवाल है कि एक्सप्रेसवे, ड्राइवरों और परिवहन के लिए बने कानूनों व नियमों के अंतर्गत दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सरकारें क्या कार्रवाई कर रही हैं? किसी से छिपा नहीं है कि लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे और यमुना एक्सप्रेसवे पर रोजाना बड़ी संख्या में प्राइवेट बस अवैध रूप से बेतरतीब दौड़ रही हैं, जिनके पास इस रूट पर चलने का परमिट ही नहीं है। यमुना एक्सप्रेसवे और आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश के दर्जन भर जिलों से होकर गुजरते हैं। यमुना एक्सप्रेसवे और आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर जगह-जगह साइनबोर्ड लगे हैं कि सड़क की दाहिनी लेन सिर्फ ओवरटेकिंग के लिए है। उस लेन में एक साथ दर्जनों ट्रकों को चलते देखा जा सकता है। मार्ग पर इक्का-दुक्का को छोड़ दें, तो बाकी इसका उल्लंघन ही करते हैं। सरकार ने दोनों एक्सप्रेसवेज पर छोटे वाहनों, कार आदि के लिए प्रति घंटा सौ किमी. की स्पीड तय की हैग जबकि एक्सप्रेसवेज के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने 120 किमी. प्रति घंटा तय की है। इस गति सीमा के बावजूद टोल टैक्स एक्सप्रेसवेज के ही मानक का लिया जा रहा है।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर नवम्बर, 2017 से फरवरी, 2019 के बीच सड़क हादसों पर आई एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ था कि इस रोड पर 35 फीसद दुर्घटनाएं ड्राइवरों के झपकी आने से हुई थीं। इस तथ्य की भी पुष्टि की थी कि एक बस में दो ड्राइवरों की व्यवस्था न करके यात्रियों की जान जोखिम में डालने का खतरा मोल लिया जा रहा है। मानक से अधिक गतिग छुट्टा जानवरों का सड़कों पर आ जाना, टायर फटना और गलत ड्राइविंग के चलते वाहनों की सीधी टक्कर जैसी वजहों को भी खास तौर से दुर्घटनाओं के लिए जिम्मेदार बताया गया था।

अतीत पर नजर डालेंगे तो यमुना एक्सप्रेसवे और आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर यातायात सुचारू रखने में लापरवाही और उदासीनता के मामलों में बीते कई वर्षा में कोई अधिकारी दंडित नहीं हुआ होगा। 2012 से 2019 तक अकेले यमुना एक्सप्रेसवे पर छह हजार से अधिक सड़क दुर्घटनाओं में नौ सौ से ज्यादा लोग जान गंवा चुके हैं जबकि आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर शुरू के ढाई साल में ही लगभग सवा दो सौ लोगों की मौत हो चुकी थीं। हादसों को रोकने के वाहनों के टायरों में नाइट्रोजन और प्रशिक्षित ड्राइवरों का होना बेहद जरूरी हैग लेकिन इन कानूनों और नियमों का प्रभावी अनुपालन कराना और इस दिशा लापरवाह अफसरों पर कड़ी कार्रवाई भी कम जरूरी नहीं है बशर्ते सरकार और शासन के भी एजेंडे पर मुसाफिरों की जान की फिक्र प्राथमिकता पर हो।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गैस्ट्रोएंट्राइट्स आमतौर पर साफ–सफाई का ध्यान न रखने और दूषित पानी व भोजन की वजह से होता है। यदि खान–पान व रहन–सहन में हाइजीन का ध्यान रखा जाए, तो काफी हद तक इससे बचाव हो सकता है...

हेल्थ प्लस

बचाव में ही बचाव

गर्मी के मौसम में गैस्ट्रोएंट्राइट्स की संभावना काफी बढ़ जाती है। यह कई कारणों से होता है, लेकिन आमतौर पर यह बैक्टीरिया व वायरस से होता है। वायरस और बैक्टीरिया बहुत संक्रामक होते हैं और ये गंदे पानी और दूषित खाद्य पदार्थों के सेवन से फैल सकते हैं। इसका असर पेट व आंतों में होता है, उलटी–दस्त आते रहते हैं। वायरस द्वारा होने वाला गैस्ट्रो एंट्राइट्स एक से तीन दिन में ठीक हो सकता है, जबकि अगर बैक्टीरिया के कारण समस्या हो, तो ठीक होने में अधिक समय लग सकता है।

ये हैं कारण

- गंदा व दूषित पानी
- दूषित व गरिष्ठ भोजन
- जहां आप भोजन कर रहे हैं, वहां आस–पास गंदगी होना
- अस्वच्छ रहन–सहन

ऐसे फैलता है

गैस्ट्रोएंट्राइट्स इंफैक्शियस डिसीज है। संक्रमित व्यक्ति के मल और उल्टियों पर जब मक्खियां बैठती हैं, तो उनके पैरों पर इसके बैक्टीरिया व वायरस चिपक जाते हैं। जब ये मक्खियां खाने की वस्तुओं पर बैठती हैं, तो ये बैक्टीरिया वहां छूट जाते हैं। इन वस्तुओं को जब स्वस्थ व्यक्ति खाता है, तो ये उसकी आंत में पहुंच जाते हैं और आंतों में संक्रमण पैदा कर रोग बढ़ाते हैं।

इसकी पहचान

वायरल गैस्ट्रोएंट्राइट्स में पानी जैसे पतले दस्त और उल्टियां होती हैं। मरीज को सिर दर्द, बुखार और पेट दर्द की भी शिकायत होती है। वायरस इंफैक्शन के 1–2 दिन बाद लक्षण दिखाई देते हैं।

- खाया–पिया पचता नहीं है। बार–बार उल्टियां होती हैं।
- पतले दस्त लग जाते हैं।
- जी मिचलाता है व उलटी होने जैसा प्रतीत होता है।
- प्यास ज्यादा लगती है, पल्स मंद पड़ जाती है, यूरिन कम आता है, पेट में तेज दर्द होता है, कमजोरी महसूस होती है व बेहोशी छाने लगती है।

ध्यान रखें

गैस्ट्रोएंट्राइट्स होने पर बहुत ज्यादा उलटी–दस्त होते हैं। इस कारण शरीर के पानी के साथ ही मिनरल्स भी निकल जाते हैं। इसलिए शरीर में पानी की कमी हो जाती है। इनकी पूर्ति शरीर में तुरंत फिर से करना जरूरी होता है। इसके लिए मरीज को लिक्विड्स ज्यादा देने चाहिए। रोगी को दही, ग्लूकोज वाला पानी, मूंग की दाल का सूप, चावल का पानी या पतली खिचड़ी, नींबू–पानी, लस्सी, सादा पानी और नमक–चीनी–पानी का घोल पिलाएं या इलेक्ट्रोलाइट दें, ताकि मिनरल्स की पूर्ति हो सके। यदि एक–दो दिन तक ऐसी ही स्थिति रहे, तो तुरंत डॉक्टर के पास ले जाएं।

ट्रीटमेंट

यदि कमजोरी बहुत ज्यादा महसूस हो रही हो और दस्त व उल्टियां बंद न हो रही हों, तो मरीज को तुरंत डॉक्टर के पास ले जाएं। डॉक्टर सलाइन चढ़ाकर व एंटीबायोटिक मैडिसिन से रोग को बढ़ने से रोकते हैं। गैस्ट्रोएंट्राइट्स उनके लिए एक गंभीर रोग है, जिन्हें कुछ भी हजम नहीं होता। इससे छोटे शिशु, बच्चे और बुजुर्गों को डीहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है।

बचाव

गैस्ट्रोएंट्राइट्स से बचाव के लिए जरूरी है कि हैल्थ अथॉरिटीज सार्वजनिक स्थानों पर सफाई का विशेष ध्यान रखें। यदि आप ऐसे इलाके में रहते हैं, जहां पीने का पानी साफ नहीं मिलता या साफ–सफाई न हो, तो आप पानी को हमेशा उबाल कर पिएं। घर, दफ्तर और स्कूल के आस–पास की सफाई पर विशेष ध्यान दें। आस–पास पानी को एकत्र न होने दें। सड़े–गले फल–सब्जियां न खाएं। खुले स्थानों पर रखी वस्तुओं का सेवन न करें। खाने–पीने की चीज़ों को ढक कर रखें। किसी का जूठा भोजन न खाएं। रेहड़ी वालों से खरीद कर चीजें न खाएं। बासी खाना न खाएं, क्योंकि गर्मियों में भोजन बहुत जल्दी खराब हो जाता है। खुली जगह मल त्याग न करें व दूसरों को भी ऐसा करने से रोकें। साफ–सफाई का ध्यान रखें, ताकि मक्खियों न हों।

न्यूट्रिशन

मैग्नीशियम

शरीर के कुल मैग्नीशियम का करीब 50 फीसदी हड्डियों में पाया जाता है और शेष आधा टिश्यूज और अंगों के सैल्स में। केवल एक फीसदी मैग्नीशियम खून में पाया जाता है, लेकिन मैग्नीशियम का ब्लड लैवल स्थिर बनाए रखने के लिए शरीर को बहुत मेहनत करनी पड़ती है। शरीर में 300 से अधिक बायोकैमिकल रिएक्शंस के लिए इसकी जरूरत होती है। यह मसल्स और नर्व फंक्शन को सामान्य रखने में मदद करता है। हैल्दी इम्यून सिस्टम को स्पोर्ट करता है और हड्डियों को मजबूत बनाता है।

यह ब्लड शुगर लैवल नियमित रखने में भी मदद करता है। हरी सब्जियां, नट्स, सीड्स, बींस, मटर, साबुत अनाज मैग्नीशियम के बढ़िया स्रोत हैं।

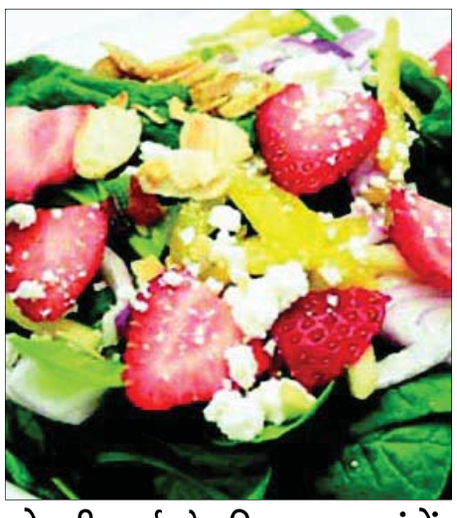

जब बढ़ने लगे पैरों का दर्द

क्या थोड़ा सा भी चलने से आपके पैर दुखने लगते हैं? क्या कभी–कभी वे सुन्न या ठंडे और बेजान हो जाते हैं? यदि आपको यह सब होता है तो शायद आपको 'पेरीफेरल आरटीरियल डिजीज' यानी 'पैड' है। इसका सरल मतलब है कि आपकी टांगों की धमनियां सिकुड़ गयी हैं और उनमें रूकावट की वजह से सही रक्त संचार नहीं हो रहा।

यदि आप इस तरह के दर्द को नजरअंदाज करते हैं और इसका इलाज नहीं करवाते तो हो सकता है कि आगो जाकर आपको बहुत तकलीफ झोलनी पड़े। टांगों में खून न पहुंचने से और सही प्रचलन न होने से हो सकता है कि आपको गैंगरीन हो जाए।

यदि आपकी टांगों की धमनियां रूकी हुई हैं तो यह शरीर के दूसरे हिस्सों पर भी प्रभाव डालती हैं जिससे कि कभी–कभी आपके दिल के आस–पास वाली धमनियों में भी रूकावट भी आ सकती है। इससे आपको दिल के दौरे का खतरा बढ़ सकता है।

डाक्टर राडनी राबे कहते हैं कि आमतौर पर लोगों को यह पता ही नहीं कि उन्हें 'पैड' की बीमारी है। वे सोचते हैं कि उनकी टांगों में दर्द सिर्फ वजन बढ़ने के कारण या फिर उम्र की वजह से हैं।

डाक्टर राबे के अनुसार इस बीमारी को आसनी से रोका जा सकता है और जितनी जल्दी इसके बारे में जानकारी हासिल हो, उतना ही फायदेमंद है। सबसे पहले तो इसे रोकने के लिए आपको सिगरेट छोड़नी पड़ेगी। ऐसे हालात में चलना बहुत जरूरी है आपको नित्य प्रतिदिन कम से कम दो किलोमीटर चलना चाहिये। इससे आपकी टांगों की धमनियों में प्रचलन ठीक होगा और खून दौड़ेगा।

कभी–कभी डाक्टरों की सलाह से यदि आप एस्पिरीन भी लें ो वह खून को पतला करने में और इस वजह से प्रचलन सही करने में मदद करती है लेकिन यह जरूरी है कि आप अपनी टांगों में दर्द और उनके सुन्न हो जाने की शिकायत या फिर टांगों के ठंडा हो जाने को नजर अंदाज न करें। डाक्ट को दिखा कर सही सलाह लेकर चलें।

हेल्दी हार्ट के लिए खूब हंसें

अभी तक कहा जाता था कि हंसना सबसे अच्छी औषधि है और अब शोधकर्ताओं ने भी दावा किया है कि एक दिन में मात्र 30 मिनट तक ठहाके लगाने से आपका हृदय स्वस्थ रह सकता है। ऐसा भी जरूरी नहीं है कि यह ठहाके एक साथ लगाए जाएं। लेकिन नियमित अंतराल पर हंसना भी हार्ट से जुड़ी बीमारियों के खिलाफ एक बड़ी दवा का काम कर सकता है। लोमा लिंडा विश्वविघालय द्वारा किए गए अध्ययन के मुताबिक हर दिन आधे घंटे हास्य संबंधी कार्यक्रम देखने से व्यक्ति के तनाव बढ़ाने वाले हार्मोन का स्तर कम होता है। इसका संबंध हृदय संबंधी बीमारियों से होता है। 'डेली मेल' ने शोधकर्ता डा. ली बेरक के हवाले से बताया, 'बेहतरीन चिकित्सकों का मानना है कि आनंददायी हंसी, आशावाद और उम्मीद जैसी सकारात्मक भावनाओं द्वारा व्यक्ति की मनोदशा पर प्रभाव पड़ता है।' मधुमेह, तनाव और उच्च कोलेस्ट्रोल की दवाओं का सेवन करने वाले 20 महिलाओं और पुरूषों पर किए गए अध्ययन के बाद शोधकर्ता इस निष्कर्ष पर पहुंचे। शोध में तनाव के व्यापक चरणों का भी विश्लेषण किया गया।

कई रोगों की दवा है हींग

घाव यदि कुछ समय तक खुला रहे तो उसमें छोटे–छोटे कीड़े पड़ जाते हैं। उस पर हींग का चूर्ण डालने से ये कीड़े मर जाते हैं।

यदि शरीर के किसी हिस्से में कांटा लग गया हो तो उस स्थान पर हींग का घोल भर दें। कुछ समय में कांटा स्वत: बाहर निकल आएगा।

पेट के दर्द, अफारा और ऐंठन में अजवाइन और नमक के साथ हींग का सेवन करें, लाभ होगा।

निमोनिया होने की दशा में गुनगुने गरम पानी में जरा–सी हींग घोलकर सेवन करने से लाभ होता है।

दांतों में कीड़ा लग जाने पर रात्रि को दांत में हींग दबा कर सोएं। कीड़ा खुद–ब–खुद निकल जाएगा।

पेट में कीड़े हो जाने पर हींग को पानी में घोल कर एनिमा करने से पेट के कीड़े मरकर शीघ्र निकल जाते हैं।

हींग भूनकर गुड़ के साथ सेवन करने से दाद, खाज और खुजली में लाभ होता हैं।

यदि लगातार और काफी हिचकियां आ रही हैं तो हींग की धूनी लीजिए। हिचकियां रूक जाएंगी।

थोड़ी–सी भुनी हुई हींग रूई के फाहे में लपेट कर दाढ़ पर रखने से दाढ़ का दर्द कम हो जाता है।

अधिक खा लेने या कोई भारी चीज खा लेने से अफारा हो गया हो तो हींग को पीस कर उसमें काला नमक मिलाकर हल्के गरम पानी से सेवन करने से लाभ होगा।

हींग में रोग प्रतिरोधक (एंटीसेप्टिक) गुण काफी अधिक होते हैं। दाद, खाज, खुजली व अन्य चर्म रोगों में इसे पानी में घिस कर उन स्थानों पर लगाने से आश्चर्यजनक लाभ होगा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

अध्ययन–अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान–विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग–दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म–कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक–1–4–6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

महत्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद–विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक–2–5–7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन–देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक–3–6–7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

सामाजिक मान–सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह–सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल–मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। मनोबल ऊंचा रखें और काम में लगे रहें। शुभांक–4–6–8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक–5–8–9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़–तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनै:–शनै: बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक–4–7–9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक–5–7–9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन–देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। शुभांक–2–5–9

धनु (ये यो मा मी मू धा फा ढा मे)

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक–4–6–8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रह। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन–देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक–3–5–7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक–6–9–9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म–कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद–प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक–3–6–7

काकुरो पहेली - 2184

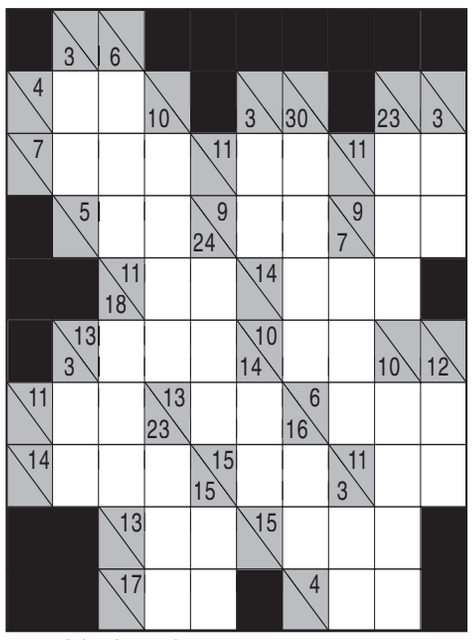

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

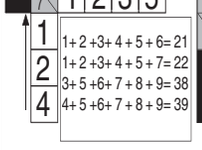

काकुरो - 2183 का हल

लॉफिंग ज़ोन

बड़े लंबे अरसे बाद दो पुराने पड़ोसी दोस्त मिले। एक–दूसरे का हालचाल पूछने पर मालूम हुआ कि दोनों शादी कर चुके हैं।

पहला उत्सुकतावश बोला– कैसी है तुम्हारी पत्नी?

दूसरे ने चहककर बताया– मेरी पत्नी का क्या कहना यार! वो तो स्वर्ग की अप्सरा है अप्सरा...!

पहला मायूस होकर दबे स्वर में बोला– खुशकिस्मत हो भाई! मेरी तो अभी जिंदा है....।

□ □ □

बहुत दिनों के बाद पुराने मित्रों का मिलन हुआ। रमेश ने पूछा– तुम्हारी उस प्रेमिका का क्या हुआ, जिसके तुम बहुत बड़े आशिक हुआ करते थे, उस जमाने में।

नरेश– कुछ खास नहीं! उसकी माँग इतनी बड़ी थी कि मुझे उससे रिश्ता तोड़ना पड़ा।

रमेश– अच्छा! लेकिन तुम्हारी प्रेमिका की माँग क्या थी?

नरेश– तुमसे शादी करने की।

□ □ □

एक बच्चा तालाब में डूब रहा था। सभी देख रहे थे। किसी में हिम्मत न थी कि बच्चो को बचा लाए। तभी एक साहब ने छलांग लगा दी और बच्चो को बचा लिया। दर्शकों में से एक बोला – बडी हिम्मत की आपने ।

वह व्यक्ति बोला – हिम्मत की ऐसी–तैसी, पहले यह बताओ, मुझे धक्का किसने दिया था ?

फिल्म वर्ग पहेली- 2184

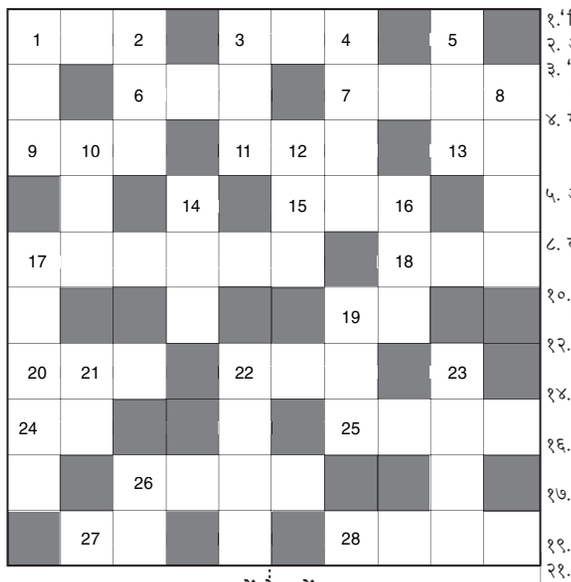

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, संजीवकुमार, सचिन, हेमा, राखी, पूनम ढिल्लों की फिल्म–३
३. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म–३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म–३
७. 'नीले गगन के तले' गीत वाली सुनील दत्त, मुमताज की फिल्म–४
९. 'जुबलीकुमार' राजेंद्रकुमार की पहली फिल्म जिसकी नायिका गीता बाली थी–३
११. अशोककुमार, नादिरा की 'काहे जादू किया मुझको' गीत वाली फिल्म–३
१३. सुपर हिट फिल्म 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम क्या था–२
१५. कुमार गौरव, शत्रुघ्न सिन्हा की 'जिंदगी कब तुम को' गीत वाली फिल्म–३
१७. 'आजा आजा मैं हूँ प्यार' गीत वाली शम्मीकपूर, आशा की फिल्म–३,३
१८. सतीश कौल, सरिता की बी. आर. इशारा निर्देशित १९७४ की एक फिल्म–३
१९. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम का फिल्म–२
२०. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या कर दिया' गीत वाली फिल्म–३
२२. 'दुनिया में कितना' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता पाटिल की फिल्म–३
२४. मनोज बाजपेयी, उर्मिला की जोड़ी वाली रामगोपाल वर्मा की एक फिल्म–२
२५. 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली महीपाल, संध्या की फिल्म–४
२६. विनोद मेहरा, मौसमी की 'तेरे नैनों के मैं दीप' गीत वाली फिल्म–४
२७. 'हम' में नायिका किमी काटकर के किरदार का नाम क्या था–२
२८. बलराज साहनी, लीला की 'हाये रे वो दिन क्यूं ना' गीत वाली फिल्म–४

ऊपर से नीचे:-

१.'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म–३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म–३
३. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा है' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म–३
४. गीफा अवार्ड्स में किस को फिल्म 'रंग दे बसंती' के लिये सर्वश्रेष्ठ संगीतकार का पुरस्कार मिला था–४
५. ओमपुरी, शबाना आजमी, माधुरी की सुधीर मिश्रा निर्देशित फिल्म–३
८. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीना राय की १९९२ की एक फिल्म–४
१०. जिमी, उदय चोपड़ा, इरफान, नम्रता की 'राहें लहरा के हम से' गीत वाली फिल्म–३
१२. 'रंग और नूर की बारात किसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना की फिल्म–३
१४. मिथुन, सारिका की 'साथी है हम जनमों के' गीत वाली फिल्म–३
१६. 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली रंजन, चित्रा जयश्री की फिल्म–३
१७. मिथुन, चंकी, ऋतुपर्णा, सोमी की 'जब मैंने तेरा' गीत वाली फिल्म–३,२
१९. फिल्म 'बंदिवी' की नायिका कौन थी–३
२१. अजय देवगन, ट्विंकल खन्न की 'बेईमान पिया रे' गीत वाली फिल्म–२
२२. फिरोज खान, मुमताज की फिल्म–४
२३. विनोद खन्ना, आमिर, सैफ, अश्विनी भावे, रवीना, नीलम की 'हम बंजारे दिल नहीं देते' गीत वाली फिल्म–४
२६. जितेन निर्देशित मिथुन चक्रवर्ती, राखी, नीता मेहता की १९८६ की एक फिल्म–२

फिल्म वर्ग पहेली- 2183

प	र	दे	स	■	श	ली	मा	र	■
हे	■	व	र	दा	न	■	सु	■	ही
ली	ड	र	■	न	■	ओ	म	का	श
■	र	■	शि	व	श	म	■	पों	■
जु	■	दा	वा	■	ज	■	फ	रे	ब
बै	श	ग	■	चा	ह	त	■	ट	■
दा	■	■	शि	■	ठ	■	दा	■	अ
■	स	त्य	का	म	■	श	मा	■	न
दी	ड़	■	र	जा	मु	श	द	■	क
■	क	र्ज	■	ल	■	बी	■	जू	ही

सूडोकु -2184

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु - 2183 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली - 2184

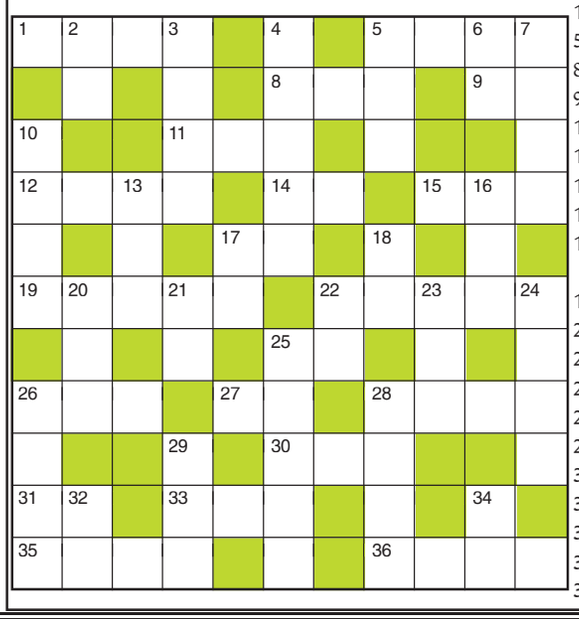

बाएँ से दाएँ

1.उथल–पुथल, कोलाहल–4
5.अस्पताल–4
8.पक्षाघात–3
9.मिट्टी, धूल–2
11.पुष्प, फूल, सुमन–3
12.बुरे कार्य करनेवाला–4
14.जादू, तंत्र–मंत्र–2
15.सौत, सपत्नी–3
17.साड़ी के किनारे पर लगाया जानेवाला लंबा कपड़ा–2
19.नगर में रहनेवाले–5
22.गणपति, गणेश–5
25.बागवान–2
26.जुदा, पृथक्–3
27.जी, इच्छा–2
28.पहरेदार–4
30.सिसकना–3
31.रहस्य–2
33.सोना,धतूरा–3
35.हृदयगति, स्पंदन–4
36.फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान की मां का किरदार निभानेवाली अभिनेत्री–2,2

ऊपर से नीचे

2.उद्देश्य,गंतव्य–2
3.राम–सीता के पुत्र–2,2
4.टालना–2,3
5.स्याही रखने का पात्र–3
6.क्षार–2
7.सुंदरी (उर्दू–4)
10.जबरदस्ती–4
13.होशियार–3
16.पुत्र,बेटा–3
17.रस्सी के फंदे पर लटकाना–2
18.जान,जीवन–2
20.जहर, विष–3
21.अदालत में प्रस्तुत वाद–2
22.छोटा रास्ता, कूचा–2
23.अपवित्रता (उर्दू–3)
24.पक्षियों का शोर–4
25.मानसिक सोच–5
26.गुनाह,जुर्म–4
28.रखवाली करना–4
29.मुर्गा–3
32.मूल, पेड़ का वह हिस्सा जो जमीन में रहता है–2
34.आमिर खान, ट्विंकल खन्ना की फिल्म–2

शब्द पहेली -2183 का हल

■	त	था	क	थि	त	■	क	या	म	त
ना	प	■	ह	■	र	का	बी	■	त	र
मु	■	त	वा	य	फ	■	ला	वा	■	खा
ना	पा	क	■	■	दा	नी	■	दा	म	न
सि	■	दी	■	प	र	■	सा	■	हि	■
ब	ह	र	हा	ल	■	नि	रा	ला	प	न
■	र	■	नि	■	आ	शा	■	ज	■	ज
अ	म	र	■	अ	तं	■	■	वा	न	र
मा	■	मा	न	■	क	र	त	ब	■	बं
न	या	■	ज	ल	वा	■	ना	■	क	द
त	क	दी	र	■	द	शा	व	ता	र	■

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टोक्यो ओलंपिक : ओलंपिक (महिला हॉकी) - भारत इतिहास रचते हुए सेमीफाइनल में, अब अर्जेंटीना को हराने के बारी

भारतीय महिला हॉकी टीम पहली बार सेमीफाइनल में पहुंची, ऑस्ट्रेलिया को हराकर रचा इतिहास

तो यो। (एजेंसी)।

टोक्यो ओलंपिक में भारतीय महिला हॉकी टीम ने इतिहास रचते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली है। बता दें कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए मुकाबले में भारतीय महिला टीम ने 1-0 से जीत लिया है। शुरुआती मुकाबलो में झटका लगने के बाद भारतीय महिला टीम ने न सिर्फ जबरदस्त वापसी की बल्कि ऑस्ट्रेलिया को भी मात दे दी है।

ओलंपिक इतिहास में यह पहली बार है जब भारतीय महिला हॉकी टीम सेमीफाइनल में पहुंची है। इस मुकाबले में काटे की टक्कर देखी गई लेकिन भारतीय महिला टीम ऑस्ट्रेलिया पर हाबी रही।

भारतीय महिला टीम की तरफ से एकमात्र गोल गुरजीत कौर ने दागा है। आपको बता दें कि साल 1980 में अंतिम बार भारतीय महिला हॉकी टीम अंतिम 4 में पहुंची थी। इसके बार लंबा सफर तय कर टीम ने इतिहास रचा है।

कमलप्रीत कौर इतिहास रचने से चूकीं, 63.70 मीटर थ्रो के साथ छठे स्थान पर रहीं

टोक्यो। 'खेलों के महाकुंभ' टोक्यो ओलंपिक में सोमवार को भारतीय महिला डिस्कस थ्रो एथलीट कमलप्रीत कौर इतिहास रचने से चूक गईं। वह 63.70 मीटर थ्रो के साथ छठे स्थान पर रहीं। पहले प्रयास में उन्होंने 61.62 का डिस्कस थ्रो किया। दूसरा प्रयास कमलप्रीत का फाउल गया। तीसरे प्रयास में उन्होंने 63.70 मी का थ्रो किया था। वहीं, चौथे प्रयास में वह फाउल कर गईं। कमलप्रीत कौर ने पांचवें प्रयास में 61.37 मीटर का थ्रो किया। वहीं, छठे प्रयास में वह फाउल कर गईं। इसी के साथ वह पदक से चूक गईं। बता दें कि दूसरे प्रयास के बाद बारिश के चलते कुछ समय के लिए खेल को रोक दिया गया था। बता दें कि डिस्कस थ्रो में भारत का अब तक का ये श्रेष्ठ प्रदर्शन था। इससे पहले सीमा पुनिया ने 60.57 मीटर फेंककर तालिका में छठे स्थान पर रही थीं। हालांकि, वह फाइनल में नहीं पहुंच पाई थीं।

फवाद मिर्जा ने किया कमाल, फाइनल में पहुंचे भारतीय घुड़सवार

तो यो। (एजेंसी)।

भारतीय घुड़सवार फवाद मिर्जा ने अब तक टोक्यो ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन किया है। भारत के फवाद मिर्जा ने अपने घोड़े सिगन्योर मेडिकॉट के साथ ओलंपिक की घुड़सवारी स्पर्धा के व्यक्तिगत इवेंटिंग वर्ग के जंपिंग फाइनल्स में प्रवेश कर लिया।

ड्रेसेज दौर में नौवें स्थान पर रहे फवाद को जंपिंग दौर में आठ पेनल्टी अंक मिले। घुड़सवारी में जितने कम पेनल्टी अंक होते है उतना ज्यादा घुड़सवार को फायदा होता है। उनके कुल पेनल्टी अंक 47-2 रहे और वह 25वें स्थान पर थे। मिर्जा दो दशक में घुड़सवारी में भाग लेने वाले पहले भारतीय हैं।

उन से पहले इंद्रजीत लांबा (1996, अटलांटा) और इम्तियाज अनीस (2000, सिडनी) भी ओलंपिक 'इवेंटिंग' में देश का प्रतिनिधित्व कर चुके है।

गौरतलब है कि टोक्यो ओलंपिक की शुरुआत के चंद दिन पहले भारतीय घुड़सवार फवाद मिर्जा ने अपना घोड़ा बदलते हुए सेगनुएर मेडिकोट को प्राथमिकता दी थी, जिसके साथ उन्होंने 2018 एशियाई खेलों में दो रजत पदक जीते थे। इससे पहले मिर्जा ने घोषणा की थी कि वह टोक्यो खेलों में 'दजारा 4' के साथ उतरेंगे।

एशियाई रजत पदक विजेता खुरेलखुव के खिलाफ ओलंपिक अभियान की शुरुआत करेगी सोनम मलिक

तोक्यो। युवा भारतीय पहलवान सोनम मलिक को सोमवार को महिलाओं के 62 किग्रा ड्रा के चुनौतीपूर्ण निचले हिस्से में रखा गया, जहां वह मंगोलिया की एशियाई रजत पदक विजेता बोलोरतुया खुरेलखुव के खिलाफ अपने पहले ओलंपिक अभियान की शुरुआत करेंगी। यह 19 साल की पहलवान मंगलवार को चुनौती पेश करने वाले इकलौती भारतीय पहलवान होगी। सोनम के मुकाबले खुरेलखुव को बड़े टूर्नामेंटों में खेलने का ज्यादा अनुभव है। अप्रैल में अल्माटी में हुए एशियाई क्वालीफायर में फाइनल में जगह बनाकर तोक्यो खेलों के लिए क्वालीफाई करने वाली सोनम के जज्बे की इस मुश्किल ड्रॉ के हर मुकाबले में परीक्षा होगी।

सोनम दाहिने घुटने की चोट से उबरने के बाद ओलंपिक के लिए तोक्यो आयी है। इस चोट के कारण वह टूर्नामेंट पूर्व अभ्यास के लिए रूस नहीं जा पायी थी। मुश्किल ड्रॉ के बाद भी वह आत्मविश्वास से भरी दिखी। उन्होंने ड्रॉ कार्यक्रम के बाद पीटीआई-से कहा, '' मैं ठीक हूं। मेरे घुटने में अब दर्द नहीं है। यह ड्रॉ मेरे लिए न तो कठिन है और न ही आसान।'' रियो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साक्षी मलिक को हराकर सुर्खियां बटोरने के बाद ओलंपिक तक का सफर करने वाली सोनम अगर अपनी पहली बाधा को पार कर लेती है तो दूसरे दौर में उनके सामने बुल्गारिया की 2018 की विश्व चैम्पियन तायबे मुस्तफा युसीन की चुनौती होगी। उनके निजी कोच अजमेर मलिक ने कहा, '' इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि ड्रॉ क्या है।

सोनम कोई दबाव नहीं ले रही हैं। वह जापान (युकाको कवाई) का सामना करने के लिए भी तैयार थी। वह अच्छा करेगी।'' कवाई 2019 विश्व चैम्पियनशिप की कांस्य पदक विजेता है और सोनम अगर शुरुआती मुकाबलों को जीतने में सफल रही तो निचले-हाफ के सेमीफाइनल में इन दोनों पहलवानों का सामना हो सकता है। सोनम का ड्रा इस ऐसा है कि अगर उन्हें शुरुआती मुकाबलों में सफलता नहीं मिलती है तो भी रेपेचेज का रास्ता खुल सकता है।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले नॉटिंघम पहुंची भारतीय टीम

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

विराट कोहली के नेतृत्व में भारतीय क्रिकेट टीम डरहम से नॉटिंघम पहुंच गई है.

विराट कोहली के नेतृत्व में भारतीय क्रिकेट टीम डरहम से नॉटिंघम पहुंच गई है. ट्रेंट ब्रिज क्रिकेट स्टेडियम में 4 अगस्त से इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले पहले टेस्ट से पहले वे नॉटिंघम में अपना प्रशिक्षण सत्र कर रहे हैं. साउथेम्प्टन में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के तीन सप्ताह के ब्रेक के बाद, भारतीय टीम का 20-22 जुलाई तक काउंटी सिलेक्ट इलेवन के खिलाफ अभ्यास मैच था. इंग्लैंड के खिलाफ 77 रन बनाते ही इन 3 दिग्गज टेस्ट क्रिकेटरों को पीछे छोड़ देंगे कैप्टन कोहली उसके बाद, भारतीय टीम ने डरहम के चेस्टर-ले-स्ट्रीट मैदान में शुक्रवार को अपने अंतिम प्रशिक्षण सत्र तक अभ्यास जारी रखा. पृथ्वी शॉ और सूर्यकुमार यादव, जिन्हें अवेश खान (अंगूठे में फ्रैक्चर) और

वाशिंगटन सुंदर (उंगली की चोट) के लिए सब्सीट्यूट चुना गया है, को अभी इंग्लैंड में टेस्ट टीम में शामिल होना है.

भारतीय टीम : रोहित शर्मा, मयंक अग्रवाल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली (कप्तान), अजिंक्य रहाणे (उपकप्तान), हनुमा विहारी, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, इशांत शर्मा, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, शार्दुल ठाकुर, उमेश यादव, केएल राहुल, रिद्धिमान साहा, पृथ्वी शॉ, सूर्यकुमार यादव और अभिमन्यु ईश्वरन.

दुती हीट में सातवें और अंतिम स्थान पर रहकर बाहर

तोक्यो। भारत की फर्राटा धाविका दुती चंद का निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा और वह टोक्यो ओलंपिक खेलों की एथलेटिक्स प्रतियोगिता में महिलाओं की 200 मीटर दौड़ में सातवें और अंतिम स्थान पर रहकर सेमीफाइनल के लिये क्वालीफाई नहीं कर पायी। दुती ने चौथी हीट में 23.85 सेकेंड का समय निकाला जो उनका इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है लेकिन यह सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिये पर्याप्त नहीं था। नामीबिया की क्रिस्टीन मबोमा ने 22.11 सेकेंड के साथ यह हीट जीती। उनके अलावा अमेरिका की गैब्रियली थामस (22.20) और नाइजर की अमिनातु सेयनी (22.72) ने दूसरा और तीसरा स्थान हासिल करके सेमीफाइनल में जगह बनायी। प्रत्येक सात हीट में से शीर्ष तीन पर रहने वाली एथलीटों और अगले तीन सर्वश्रेष्ठ समय निकालने वाली खिलाड़ियों ने सेमीफाइनल के लिये क्वालीफाई किया। दुती का सर्वश्रेष्ठ समय 23 सेकेंड का है। वह 41 प्रतिभागियों के बीच कुल 38वें स्थान पर रही। इससे पहले शुक्रवार को दुती महिलाओं की 100 मीटर दौड़ में भी सेमीफाइनल में जगह नहीं बना पायी थी। वह अपनी हीट में 11.54 सेकेंड का समय लेकर सातवें स्थान पर रही थी।

सिंधू से हारने के बाद बैडमिंटन खिलाड़ी ताइ जु यिंग ने किया बड़ा खुलासा!

तो यो। (एजेंसी)।

विश्व की नंबर एक बैडमिंटन खिलाड़ी ताइ जु यिंग ने महिलाओं के एकल फाइनल में हारने के बाद खुलासा किया कि भारतीय स्टार पी वी सिंधू ने पदक वितरण समारोह में उनका हौसला बढ़ाया था जिससे उनके आंसू निकल आये थे। अपने तीसरे ओलंपिक में खेल रही ताइ जु आखिरकार पदक जीतने में सफल रहीं। उन्हें फाइनल में चीन की चेन यू फेई के हाथों 18-21, 21-19, 18-21 से हार के कारण रजत पदक से संतोष करना पड़ा। रियो ओलंपिक में पांच साल पहले सिंधू ने स्पेन की कारोलिना मारिन से हारकर रजत पदक हासिल किया था और यह भारतीय जानती थी कि विश्व

की नंबर एक खिलाड़ी कैसा महसूस कर रही है।

ताइ जु ने इंस्टाग्राम पर अपनी पोस्ट में लिखा, ''मैच के बाद मैं अपने प्रदर्शन से संतुष्ट थी। बाद में सिंधू आयी और उसने मुझे गले लगा दिया। उसने मुझसे कहा, 'मैं जानती हूं कि तुम असहज हो और तुम बहुत अच्छा खेली लेकिन आज तुम्हारा दिन नहीं थी। इसके बाद उसने मुझे अपनी बांहों में भर दिया और कहा कि वह इस अहसास से वाकिफ है।'' उन्होंने कहा, ''इस तरह से हौसला बढ़ाने से मेरे आंसू निकल आये। मैं वास्तव में दुखी थी क्योंकि मैंने सही में कड़ी मेहनत की थी। आपके सहयोग और प्रोत्साहन के लिये फिर से आभार। मेरा साथ देने के लिये आभार। '' ताइ जु ने शनिवार को सेमीफाइनल में मौजूदा विश्व चैंपियन सिंधू को 21-18, 21-12 से हराया था। सिंधू ने चीन की ही बिंग जियाओ को हराकर कांस्य पदक जीता।

ऐश्वर्य और राजपूत पुरुष 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन के फाइनल में जगह बनाने में नाकाम

टोक्यो। ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और संजीव राजपूत सोमवार को यहां पुरुष 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन के फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे जिससे रियो ओलंपिक के बाद टोक्यो ओलंपिक से भी भारतीय निशानेबाजों का खाली हाथ लौटना तय हो गया। ऐश्वर्य असाका निशानेबाजी रेंज में नीलिंग में 397, प्रोन में 391 और स्टैंडिंग में 379 अंक से कुल 1167 अंक जुटाकर 21वें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाने की दौड़ से बाहर हो गए। अनुभवी निशानेबाज राजपूत ने भी निराश किया और नीलिंग में 387, प्रोन में 393 तथा स्टैंडिंग में 377 अंक से कुल 1157 अंक जुटाए। वह 39 निशानेबाजों के बीच 32वें स्थान पर रहते हुए क्वालीफिकेशन से ही बाहर हो गए। पचास मीटर राइफल थ्री पोजीशन में नीलिंग, प्रोन और स्टैंडिंग तीनों वर्ग की 10-10 निशानों की चार-चार सीरीज होती है। निशानेबाज प्रत्येक सीरीज में अधिकतम 100 अंक हासिल कर सकता है। क्वालीफिकेशन के बाद शीर्ष आठ निशानेबाज फाइनल में जगह बनाते हैं। इसके साथ ही भारतीय निशानेबाजों का तोक्यो ओलंपिक से बिना पदक जीते लौटना भी तय हो गया। भारतीय निशानेबाज पांच साल पहले रियो ओलंपिक में भी एक भी पदक नहीं जीत पाए थे। भारत ने लंदन 2012 ओलंपिक में विजय कुमार के रजत और गगन नारंग के कांस्य पदक के रूप में दो पदक जीते थे।

चेहरे पर 13 टांके लिए बॉक्सिंग रिंग में उतरे सतीश कुमार, हार कर भी जीत लिया भारतीय सेना के जवान ने दिल

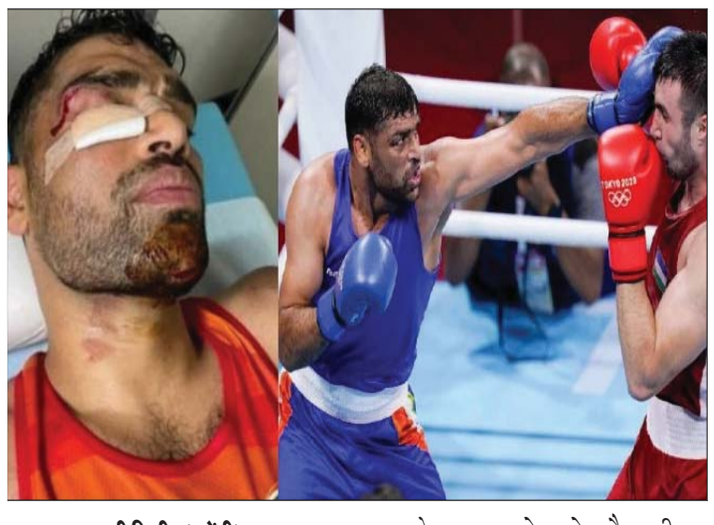

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारतीय मुक्केबाज सतीश कुमार ने उज्बेकिस्तान के बखोदिर जलोलोव के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबले के दौरान दिखाए गए साहस साहस को लेकर चारों तरफ उनकी ही चर्चा हो रही हैं। सोशल मीडिया पर लोग सतीश कुमार की एक चोटिल तस्वीर शेयर करने के साथ तोक्यो ओलंपिक 2020 में खेली गयी उनकी पारी के तारीफों के पुल बांध रहे हैं। प्री-क्वार्टर में लगातार कट के बाद अपने माथे और ठुड्डी पर कई टांके लगाकर रिंग में उतरते हुए, सतीश 0-5 से हार गए, लेकिन उनके आखिर तक लड़ने वाले खेल ने लोगों का दिल जीत लिया। ओलंपिक की मुक्केबाजी स्पर्धा में सतीश कुमार भारतीय सेना की तरफ से खेल रहे थे। इस मुकाबले में आखिरी सांस तक हार न मानने वाली भारतीय सेना की भावना को सतीश ने बॉक्सिंग रिंग में पेश किया। भारतीय सेना के इस जवान के हौसले की हर तरफ तारीफे हो रही हैं।

32 वर्षीय ने एक शानदार प्रदर्शन किया, और अपनी अंदर मौजूद 'भारतीय सेना की भावना' दिखाई जो मुक्केबाजी में राज करने वाले विश्व और एशियाई चैंपियन बखोदिर जलोलोव के खिलाफ कभी हार नहीं मान रही थी। साहसी आर्मी बॉक्सर अपनी जमीन पर खड़ा था, कभी-कभी अपने दाहिने हाथ से एक शॉट लगाने में कामयाब होता था, लेकिन जलोलोव पूरी कार्यवाही पर हावी रहा। कुमार को सभी विभागों में मात दी गई, लेकिन उनके उत्साही प्रदर्शन उज्बेकी प्रतिद्वंद्वी से सम्मान दिलाया। उज्बेकिस्तान के बखोदिर जलोलोव ने रिंग में अपने प्रतिद्वंद्वी सतीश कुमार का सम्मान किया। जलोलोव ने बाउट के अंत में अपने प्रतिद्वंद्वी की बहादुरी को स्वीकार किया। भारतीय मुक्केबाज के रिंग छोड़ने से पहले जलोलोव ने कुमार को गर्मजोशी से गले लगाया।

भारतीय मुक्केबाज सतीश कुमार चेहरे पर 13 टांकों के साथ तोक्यो ओलंपिक के क्वार्टरफाइनल में खेले थे और उनके परिवार में सभी उनसे मुकाबले से हटने को कह रहे थे लेकिन वह इसमें खेलना चाहते थे क्योंकि खिलाड़ी कभी हार नहीं मानता। सेना के 32 साल के जवान सतीश ने कहा, ''मेरा फोन बंद नहीं हो रहा, लोग बधाई दे रहे हैं जैसे मैंने जीत हासिल की हो। मेरा इलाज चल रहा है लेकिन मैं ही जानता हूं कि मेरे चेहरे पर कितने घाव हैं। ''

सतीश को प्री क्वार्टरफाइनल के दौरान माथे और ठोड़ी पर दो गहरे कट लगे थे लेकिन इसके बावजूद उन्होंने उज्बेकिस्तान के सुपरस्टार बखोदिर जालोलोव के खिलाफ रिंग में उतरने का फैसला किया। उन्होंने कहा, ''मेरी ठोड़ी में सात टांके और माथे पर छह टांके लगे हैं। पर मरता क्या न करता, मैं जानता था कि मैं लड़ना चाहता था। वर्ना मैं पछतावे में ही जीता रहता कि अगर खेलता तो क्या होता। अब मैं शांत हूं और खुद से संतुष्ट भी हूं कि मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। '' दो बच्चों के पिता सतीश ने कहा, ''मेरी पत्नी ने मुझे नहीं लड़ने को कहा था। मेरे पिता ने भी कहा कि ऐसे लड़ते हुए देखना दर्दनाक है। परिवार आपको दर्द में नहीं देख सकता। लेकिन वे यह भी जानते हैं कि मैं ऐसा करना चाहता था। '' तो क्या उनके बच्चे मुकाबला देख रहे थे, उन्होंने कहा, ''हां, मेरा एक बेटा है और एक बेटी जो पहली और दूसरी कक्षा में हैं।दोनों देख रहे थे। मुझे उम्मीद है कि उन्हें गर्व महसूस हुआ होगा। '' वह दो बार एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीत चुके हैं।

राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता और कई बार के राष्ट्रीय चैम्पियन हैं। वह भारत की ओर से ओलंपिक में क्वालीफाई करने वाले पहले सुपर हेवीवेट मुक्केबाज भी बने। बुलंदशहर के सतीश ने कहा, ''जोलोलोव मुकाबले के बाद मेरे पास आये, उन्होंने कहा, 'अच्छा मुकाबला था।'यह सुनकर अच्छा लगा। मेरे कोचों ने भी कहा कि उन्हें मुझ पर गर्व है, किसी ने भी मेरे यहां तक पहुंचने की उम्मीद नहीं की थी। '' पूर्व कबड्डी खिलाड़ी सतीश सेना के कोचों के जोर देने पर मुक्केबाजी में आये। उन्होंने कहा कि वह भविष्य में भी इस तरह की चोट के बावजूद रिंग में उतरने में हिचकिचायेंगे नहीं। उन्होंने कहा, ''खिलाड़ी होने का मतलब ही यही है कि आप हार नहीं मानते, कभी हार नहीं मानते।

अपने बच्चों को बाहरी दुनिया में रहने के लिए ट्रेनिंग दें। क्योंकि चाहे चिड़ियां को उड़ना सिखाना नहीं पड़ता हो, फिर भी मां बच्चों को उड़ने की ट्रेनिंग दिया करती है। कभी अपने घर के आंगन में अपने बच्चों को उड़ना सिखाती चिड़िया को देखें तो आपको एहसास होगा कि उड़ने की कला उन्हें प्रकृति से मिली जरूर है, लेकिन कौशल उन्हें खुद ही हासिल करना होता है। देखें आप अपने बच्चे को कैसे आत्मविश्वासी और आत्म-निर्भर बना सकते हैं।

बच्चों को भविष्य के लिए इस तरह से करें तैयार

प्रवीर और मृदुल इत्तेफाक से रूममेट बन गए। मृदुल की मां कॉर्पोरेट सेक्टर में काम करती है, इसलिए उसका परिवेश एकदम ही अलग है। दूसरी और प्रवीर की मां सरकारी दफ्तर में काम करती है इसलिए उसका परिवेश मृदुल से कुछ अलग था। एक तरफ मृदुल हर तरह से आत्म-निर्भर और आत्मविश्वासी है तो दूसरी तरफ प्रवीर हर चीज को टालता रहता है। शुरुआत में दोनों को एक-दूसरे के साथ एडजस्ट होने में बहुत दिक्कतें पेश आईं। मृदुल क्या पहनना है से लेकर पिकनिक पर कहां जाना है और शाम को क्या सब्जी बनाने से लेकर बुक-शॉप से कौन-सी बुक खरीदनी है, जैसे सारे निर्णय स्वयं लेता है तो दूसरी तरफ प्रवीर को हर तरह का निर्णय लेने में दूसरों की जरूरत लगती है। वजह स्पष्ट है-मृदुल को बचपन से ही निर्णय लेने के लिए प्रेरित भी किया और निर्णय लेने भी दिया गया। प्रवीर को हमेशा ही बच्चा कहा गया और हर उस अवसर से उसे दूर रखा गया, जहां विकल्पों में से चुनाव करना था। अक्सर हम बच्चों के बड़े होने के दौरान ही उन्हें निर्णय लेने की क्रिया से वंचित करते चलते हैं और फिर जब वे बड़े हो जाते हैं तब एकाएक उन्हें कहने लगते हैं कि अब बड़े हो गए हो, अपने निर्णय खुद ही करो। उस पर जब उनका निर्णय गलत सिद्ध होता है तब हम उन्हें ही दोष देने लगते हैं कि इतने बड़े हो गए, लेकिन अब तक यह समझ नहीं आया कि अपने लिए क्या सही है और क्या गलत है?

बच्चों को अपने पैरों पर खड़ा होने देना सिर्फ एक कहावत नहीं है, बल्कि उन्हें हर तरह से आने वाले जीवन और हकीकतों के सामने खड़े होने और लड़ने की कूव्वत देना है। इस मामले में एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि जब बच्चे घर से बाहर पढ़ने के लिए जाते हैं तब लड़कियां लड़कों की तुलना में जल्दी एडजस्ट कर लेती है। हो सकता है इसके सामाजिक कारण भी हो, लेकिन एक बात यह भी है कि बहुत सारे मामलों में लड़कियां ज्यादा लचीली होती है और दूसरे घर के छोटे-मोटे कामों में मां का हाथ बंटाते-बंटाते वह कब आत्मविश्वास पा लेती है, इसका उन्हें खुद भी ज्ञान नहीं होता है। अपने बच्चों को बाहरी दुनिया में रहने के लिए ट्रेनिंग दें। क्योंकि चाहे चिड़ियां को उड़ना सिखाना नहीं पड़ता हो, फिर भी मां बच्चों को उड़ने की ट्रेनिंग दिया करती है। कभी अपने घर के आंगन में अपने बच्चों को उड़ना सिखाती चिड़िया को देखें तो आपको एहसास होगा कि उड़ने की कला उन्हें प्रकृति से मिली जरूर है, लेकिन कौशल उन्हें खुद ही हासिल करना होता है। देखें आप अपने बच्चे को कैसे आत्मविश्वासी और आत्म-निर्भर बना सकते हैं।

उन्हें एक कोना दें

चाहे जो परिस्थिति हो, आप अपने बच्चे को एक ऐसा कोना जरूर उपलब्ध कराएं, जिसे वह स्वयं व्यवस्थित करें। याद करें स्कूलों में बच्चों को दिया जाना वाला लॉकर। इसी तरह एक ड्रॉवर या एक लॉकर उसे जरूर दें, जहां वह अपनी चीजें व्यवस्थित कर रख सकें। इससे उसमें जिम्मेदारी का भाव भी आएगा और निर्णय करने की क्षमता का विकास भी होगा। जब वह उसे अपनी तरह से व्यवस्थित कर पाएगा तो उसमें आत्मविश्वास भी आएगा।

छोटे-छोटे निर्णय करने दें

अपने बच्चे को छोटे-छोटे निर्णय स्वयं करने दें। जैसे अपने दोस्त की बर्थडे पार्टी में वह क्या पहन कर जाना चाहता है? या फिर डिनर के लिए जाते हुए वह किस तरह के कपड़े पहनना चाहता है? या रेस्टोरेंट में उसे स्वयं अपना ऑर्डर देने के लिए कहें। आइसक्रीम का कौन-सा फ्लैवर या किस तरह का पित्जा वह खाना चाहता है, इसका निर्णय उसे स्वयं करने दें।

अपने रिश्ते उसे ही निभाने दें

यदि उसके दोस्त का जन्मदिन है या वह अपने दोस्त को किसी खास मौके पर पार्टी देना चाहता है या गिफ्ट देना चाहता है तो उसे खुद ही निर्णय करने दें। यदि वह आपसे राय मांगे तो उसे सुझाव दें। उसके समक्ष विकल्प रखें, उसे निर्णय न सुनाएं। उससे पूछे कि उसके दोस्त की रूचि क्या करने में है? उसी हिसाब से वह उसे गिफ्ट दें, लेकिन यह न बताएं कि उसे क्या गिफ्ट दे!

घर के छोटे-छोटे काम करने के लिए कहें

भारतीय घरों में अक्सर घर के कामों को लड़कियों के हिस्से में माना जाता है। ऐसे में अक्सर हम लड़कों को इससे अलग रखते हैं। लेकिन अब चूंकि लड़कों को भी अलग-अलग वजहों से घर से बाहर जाना पड़ता है, इसलिए उन्हें भी घर के काम करना आना चाहिए। इससे घर से बाहर एडजस्ट करने में उन्हें असुविधा नहीं होगी। खासतौर पर चाय बनाना, नाश्ता बना पाना और हां अपने कपड़ों को खुद ही धोना अपने बच्चे को जरूर सिखाएं।

अपनी समस्याओं को उन्हें ही हल करने दें

भाई-बहनों के बीच के झगड़े हो या फिर दोस्तों के बीच हुए विवादब्च्चे को अपनी समस्याओं से खुद ही लड़ने को कहें। स्कूल के एंन्यूएल फंक्शन में पार्टिसिपेशन के लिए डांस की तैयारी करनी हो या फिर कॉस्ट्यूम अरेंज करना हो, बच्चों को मार्गदर्शन तो दें, लेकिन उसका काम आप न करें।

इस तरह की छोटी-छोटी चीजें करके आप बच्चे को भविष्य के लिए तैयार कर सकते हैं। आखिर उसे आपके घर की छत से बाहर जाकर अपने लिए जमीन तलाशनी है और दुनिया बनानी है। अपनी छाया से अलग करके ही आप उसे विकसित होने का अवसर देंगी, ये न सिर्फ आपके लिए बल्कि स्वयं बच्चे के लिए भी अच्छा होगा।

बच्चे के पुराने खिलौने फेंके नहीं बल्कि ऐसे करें इस्तेमाल

अपने बच्चों के लिएही खिलौने चुनने में पेरेंट्स बहुत समय लगा देते हैं। आप जिस खिलौने को पसंद करने में घंटों लगा देते हैं, बच्चा उससे कुछ साल ही खेल पाता है और बड़ा होने पर वो खिलौने उसके किसी काम के नहीं रहते हैं। जब बच्चा खिलौनों से खेलना बंद कर देता है, तो पेरेंट्स के लिए इन्हें संभालकर रखना मुश्किल हो जाता है। उन्हें समझ नहीं आता है कि वो इन खिलौनों को कहां रखें या इनका क्या करें।

खिलौनों का क्या करें

अगर आपके बच्चे के ढेरों खिलौने अब बेकार पड़े हैं और घर में उनसे खेलने वाला कोई नहीं है, तो आप उल्हें दान कर सकते हैं। इस तरह से खिलौने उन बच्चों तक पहुंच पाएंगे, जिन्हें सच में इसकी जरूरत हो। आपकी इस कोशिश से किसी मासूम बच्चे के चेहरे पर मुस्कान आ सकती है। यहां हम आपको कुछ ऐसे तरीके और जगहें बता रहे हैं, जहां आप अपने बच्चों के खिलौनों को दान कर सकते हैं।

कैसे खिलौने कर सकते हैं दान

जो खिलौने अच्छी कंडीशन में हों और ज्यादा इस्तेमाल न किए गए हों, उन्हें दान के रूप में स्वीकार कर लिया जाता है। आप ब्लॉक्स, पजल्स, बोर्ड गेम, स्टफ्ड एनीमल, टॉय कार, क्राफ्ट किट, स्पोर्ट्स किट, एक्टिविटी बुक जैसे कई तरह के टॉएज दान कर सकते हैं। हालांकि, कई जगहों पर मुंह में लेने वाले खिलौने दान में नहीं लिए जाते हैं जैसे कि पैसिफायर और टीथर आदि। आप खिलौनों को दान करने से पहले कंफर्म कर लें कि उस जगह पर किस तरह के टॉएज लिए जाते हैं।

चैरिटी में

आप उन संस्थानों में खिलौनों को दान कर सकते हैं जो चैरिटी करती हों। ये संस्थाएं अनाथ बच्चों को ये खिलौने देती हैं। इसके अलावा इनके द्वारा गरीब परिवारों के बच्चों को भी खिलौने और जरूरी सामान दिए जाते हैं।

शेल्टर या आश्रय स्थल

वुमेन शेल्टर होम में भी आप खिलौनों को दान कर सकते हैं। इन जगहों पर बच्चों के पास बहुत कम चीजें और सुविधाएं होती हैं। ये लोग आपके गिफ्ट और खिलौनों को आसानी से ले लेंगे। आप इन्हें खिलौनों के अलावा कपड़े और टॉयलेटरीज भी दान कर सकते हैं। इसके अलावा और क्या-क्या दान कर सकते हैं, यह जानने के लिए आप सीधा शेल्टर होम में बात कर सकते हैं।

चिल्ड्रेन होम

आप अनाथ आश्रम में भी बच्चों के खिलौने दान कर सकते हैं। यहां हर उम्र के बच्चे होते हैं जिन्हें आपके खिलौने पसंद आ सकते हैं।

अस्पताल या धार्मिक केंद्र

कई अस्पताल भी बच्चों के खिलौने लेते हैं। यहां दाखिल होने वाले बच्चों को ट्रीटमेंट के दौरान खिलौनों से खेलने दिया जाता है। इसके अलावा आपके आसपास के धार्मिक केंद्रों में भी बच्चों के खिलौने लिए जा सकते हैं। आप मंदिर के बाहर बैठे बच्चों को खिलौने दे सकते हैं। इन बच्चों के पास बचपन की सबसे प्यारी चीज यानि खिलौनों के नाम पर कुछ नहीं होता है। ऐसे में आपकी छोटी सी मदद इनके चेहरे पर मुस्कान ला सकती है।

छोटी-सी तारीफ भी देती है बड़ी खुशी

कोई भी महिला तब और निखर उठती है, जब कोई उसकी खूबसूरती की तारीफ करने वाला हो। कोई उसकी छोटी-छोटी जरूरतों का खयाल रखने वाला हो। अगर वह अपने साथी के लिए कुछ करे तो वह उसे नोटिस करे। जब साथी इन बातों का खयाल रखता है तो दांपत्य जीवन खुशियों से महक उठता है।

आज सुबह से ही तन्वी का मन कुछ उदास था, न जाने किस सोच में गुम थी। पिछले काफी समय से सोच रही थी कि उसकी शादीशुदा जिंदगी में कुछ कमी-सी है लेकिन तभी मोबाइल पर आए एक मैसेज ने जिंदगी में छाई सारी निराशाओं को पल भर में मानो दूर भगा दिया और तन्वी के मन में एकाएक नई उमंगें तैरने लगीं। इसमें लिखा था-' कैसी हो स्वीटहार्ट' ? तुम्हारा दिन कैसा बीत रहा है?

यह मैसेज पढ़ते ही तन्वी का उदासी में डूबा दिन खुशनुमा हो उठा। उसके मन में शाम की कई प्लानिंग चलने लगीं। आईने में खुद को बार-बार निहारने लगी। वाकई में तन्वी जितनी खुश थी, उसकी चमक उसके चेहरे पर स्पष्ट दिखाई दे रही थी। उसके बाद ही तन्वी ने भी पूरी गर्मजोशी से मैसेज का जवाब भी दिया और उसके खुश रहने के साथ पूरे घर का माहौल खुशनुमा हो गया।

क्या चाहती हैं महिलाएं

अक्सर पुरुष सोचते हैं कि स्त्रियों को खुश करना बड़ा मुश्किल है, लेकिन वे नहीं जानते कि उनकी जीवनसंगिनी खुश होने के लिए बेशकीमती तोहफा नहीं चाहती, उसे तो प्यार से दी गई एक कैंडी भी खुश कर सकती है। लंबे से मेल के बजाय प्यार में डूबी छोटी-सी पंक्ति भी जीवनसाथी को प्रसन्ना कर सकती है। बस, इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

बस थोड़ी-सी केयर

सचाई यह है कि करियर में कोई स्त्री कितनी भी कामयाब क्यों न हो जाए, उसे सबसे बड़ी खुशी तब मिलती है, जब उसका साथी उसकी छोटी-छोटी ख्वाहिशों को समझता हो, उनका खयाल रखता हो। दरअसल, ऐसा करते हुए वह यह जता देता है कि वह उसके लिए कितनी खास है। महिलाएं हमेशा से चाहती हैं कि उनका साथी कार में पहले खुद बैठने की बजाय उनके लिए कार का दरवाजा खोले। ये चाहत इसलिए नहीं है कि वह यह काम खुद नहीं कर सकती या फिर शारीरिक रूप से कमजोर हैं, वह सिर्फ अपने पार्टनर से एक स्नेह भरे रिश्ते की अपेक्षा रखती हैं।

प्रकृति ने पुरुष को फिजिकली मजबूत बनाया है। वह मेहनत करता है, परिवार चलाता है। स्त्री उसका खयाल रखती है। आदिकाल से ऐसा ही होता रहा है लेकिन समय के साथ इसमें बदलाव भी आया है। अब स्त्रियां घर-ऑफिस साथ संभाल रही हैं। पुरुष उनकी मेहनत की कद्र करता है, लेकिन कहीं न कहीं वह इसका इजहार करने से चूक जाता है।

माथे पर बढ़ रही लकीरों को हटाएंगे ये होममेड मास्क

बिजी लाइफ के दौरान त्वचा का ख्याल नहीं रख पाते हैं। लेकिन जब कहीं जाना होता है तब हमें अपनी स्किन का ख्याल आता है, पर उस वक्त कोई उपाय नहीं सूझता है और बेकार मूड से फंक्शन में जाना पड़ता है। कोई बात नहीं अब भी केयर कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं कैसे माथे पर आ रही चिंता की लकीरों को हटाए कुछ ही दिनों में।

गाजर और अंडे का पैक

गाजर में मौजूद तत्व बीटा कैरोटीन, आयोडीन झुर्रियों को कम करने में मदद करते हैं। साथ ही अंडे में भी पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो त्वचा में कसावट पैदा करते हैं। गाजर को मिक्सी में किस लें और एग व्हाइट को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद चेहरे पर चेहरे पर लगा लें। 20 मिनट बाद चेहरे को नॉर्मल पानी से धो लें। हफ्ते में कम से कम दो बार इस पैक का जरूर इस्तेमाल करें।

ऑलिव ऑयल और शहद

माथें पर उभरने वाले लकीरे आपकी खूबसूरती कम कर देती है। लेकिन 1 चम्मच शहद और 1 चम्मच ऑलिव ऑयल लें। दोनों को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद रात को सोने सेपहले सिर पर लगा लें।सुबह उठकर मुंह को धो लें। हफ्ते में 2 या 3 बार ऐसा करें। कुछ ही दिन में आराम मिल जाएगा।

कोको पाउडर और ऑलिव ऑयल

माथे पर दिखती लकीरे आपको बहुत जल्दी शर्मिंदा करा देती है। लेकिन अब नहीं होना पड़ेगा। 1 चम्मच कोको पाउडर और 1 चम्मच ऑलिव ऑयल लें। दानों को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद चेहरे पर 20 मिनट के लिए लगा लें। फिर नॉर्मल पानी से धो लें। कुछ ही दिन में आराम मिल जाएगा।

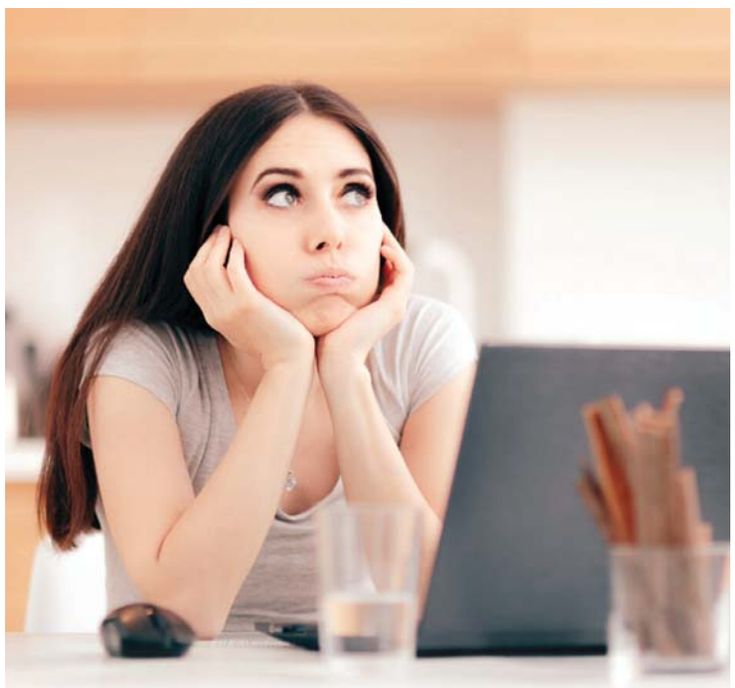

बोरियत को न बनाएं अपनी आदत!

सारा काम खत्म हो गया, डिनर के लिए बाहर जाने का मन नहीं है, इस सप्ताह कोई अच्छी फिल्म भी रिलीज नहीं हुई, समझ नहीं आ रहा क्या करें, कहां जाएं? आपको भी अपने आसपास अक्सर ऐसी बातें सुनने को मिलती होंगी। ऐसा सोचने या कहने का सीधा मतलब यही है कि व्यक्ति अपनी वर्तमान मनस्थिति से खुश ही है और इसी वजह से उसे बोरियत महसूस हो रही है।

समस्या की जड़ें

जब कभी जीवन में ठहराव आने लगता है तो इससे बोरियत पैदा होती है। आज की तेज रफ्तार जिंदगी ने इंसान को काफी हद तक वर्कोहॉलिक बना दिया है। अब लोग दिन-रात मशीन की तरह काम में जुटे रहते हैं। जैसे ही उनका कार्य पूरा हो जाता है, उन्हें खालीपन महसूस होने लगता है। आज लोगों के सामने मनोरंजन के विकल्पों का अंबार है, फिर भी वे बोरियत से परेशान रहते हैं। सीमित साधनों के बीच संतुष्ट और खुश रहना आसान है, लेकिन ढेर सारे विकल्प हमें केवल भ्रमित करते हैं और अंततः इनकी वजह से बोरियत पैदा होने लगती है।

बोर होते बच्चे

आजकल बच्चों को भी बहुत जल्दी बोरियत महसूस होती है। पुराने समय में बच्चे एक ही खिलौने से महीनों तक खेलते थे, पर आज के बच्चे दो ही दिनों के बाद अपने लिए नए खिलौने की मांग करने लगते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि अब पैरेंट्स के पास बच्चों के लिए समय नहीं है। इस समस्या से बचने के लिए वे छोटी उम्र से ही बच्चों को उनकी मनमर्जी का काम करने की छूट दे देते हैं। ऐसी स्थिति में बच्चों की फ्रस्ट्रेशन टॉलरेंस खत्म हो रही है। अगर माहौल उनकी पसंद के प्रतिकूल हो तो वे पांच मिनट में ही ऊबने लगते हैं। कभी-कभी बोरियत होना स्वाभाविक है, लेकिन जब यह स्थायी मनोदशा बन जाए तो चिंताजनक है। बोरियत नकारात्मक विचारों की जड़ है। इससे व्यवहार में चिड़चिड़ापन आने लगता है। कार्यक्षमता और रिश्तों पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसकी वजह से व्यक्ति को डिप्रेशन भी हो सकता है।

कैसे करें बचाव

खुद को बोरियत से बचाने के लिए जीवन में संतुलन बेहद जरूरी है। जिस तरह वर्कोहॉलिक होना नुकसानदेह है, उसी तरह ज्यादा आरामतलबी और मनोरंजन की अधिकता भी व्यक्ति को बहुत जल्दी बोर कर देती है। इन दोनों स्थितियों से बचते हुए दिनचर्या में संतुलन बनाए रखना चाहिए। जिस तरह शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए आप एक्सरसाइज करते हैं या जिम जाते हैं। ठीक उसी तरह दिमागी सेहत का भी ध्यान रखना बेहद जरूरी है। इसके लिए फुर्सत के पलों में टीवी देखने के बजाय कोई अच्छी किताब पढ़ें, अपने करीबी लोगों से बातचीत करें या बागवानी करें। कोई भी ऐसी गतिविधि, जिसमें व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक ऊर्जा खर्च होती हो, वह उसे बोरियत से बचाती है। ऐसी समस्या से बचने के लिए सहनशीलता बहुत जरूरी है।

अफगानिस्तान ने किया तालिबान के ठिकानों पर हवाई हमला, अशरफ गनी बोले- 6 महीने में सुधरेंगे हालात

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

जैसा की अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन अमेरिकी जनता से वादा किया था कि जब वह सत्ता में आयेंगे तो अफगानिस्तान से अपनी सेना को वापस बुलाएंगे। बाइडन ने अपना वादा पूरा कर दिया है। 20 साल से अपने देश और परिवार से दूर अमेरिकी सैनिकों की घर वापसी हो रही हैं। अफगानिस्तान से जब से अमेरिका ने अपनी सेना वापस बुलाई है वहा के हालात काफी खराब हो गये हैं। तालिबान का दावा है कि वह अफगानिस्तान के प्रमुख क्षेत्रों में 90 प्रतिशत तक कब्जा कर चुका है। तालिबान के दावे पर अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी का बयान आया है।

अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी ने कहा है हिंसा प्रभावित देश की स्थिति में अगले छह महीनों के भीतर बदलाव दिखाई देगा क्योंकि उन्होंने जोर देकर कहा कि शहरों की सुरक्षा उनकी सरकार की प्राथमिकता है। एक वर्चुअल कैबिनेट बैठक को संबोधित करते हुए, गनी ने रविवार को कहा कि तालिबान पिछले दो दशकों में ÷अधिक क्रूर और अधिक दमनकारी÷ हो गया है। उन्हें शांति, समृद्धि या प्रगति की कोई इच्छा नहीं है। गनी को समाचार एजेंसी एएनआई के हवाले से कहा कि हम शांति चाहते हैं लेकिन वे आत्मसमर्पण (दबे हुए लोग और सरकार) चाहते हैं। वे तब तक सार्थक बातचीत नहीं करेंगे जब तक कि युद्ध के मैदान में स्थिति नहीं बदल जाती। इसलिए, हमारा एक स्पष्ट रुख होना चाहिए। इसके लिए देशव्यापी लामबंदी की आवश्यकता है।

गनी की टिप्पणी तब आई जब अफगान बलों ने रविवार को तालिबान लड़ाकों और ठिकानों पर लड़ाई लड़ी और बमबारी की। जिसमें तालिबानियों का भारी नुकसान होने की संभावना है। तालिबान ने अफगानिस्तान के दूसरे सबसे बड़े शहर और विद्रोहियों के पूर्व गढ़ कंधार में हवाई अड्डे पर भी हमला किया था, जिसमें समूह के प्रवक्ता के अनुसार तालिबानियों की तरफ से ने रात में कम से कम तीन रॉकेटों से हमला किया और कहा कि इसका उद्देश्य अफगान सरकारी बलों द्वारा किए गए हवाई हमलों को विफल करना था। तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने रॉयटर्स को बताया, ÷कंधार हवाईअड्डे को हमारे द्वारा निशाना बनाया गया था क्योंकि दुश्मन इसे हमारे खिलाफ हवाई हमला करने के लिए केंद्र के रूप में इस्तेमाल कर रहा था। रॉकेट के रनवे पर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त होने के बाद अधिकारियों ने कंधार से उड़ानों को निलंबित कर दिया। बाद में उड़ान संचालन बहाल कर दिया गया। तालिबान लड़ाकों ने कम से कम दो अन्य प्रांतीय राजधानियों पर भी हमला किया है, जिसमें हेलमंद में लश्कर गाह और इसी नाम के प्रांत में हेरात शामिल हैं।

वहीं अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रायल के सोशल मीडिया से एक बमबारी का वीडियो जारी करते यह दावा किया गया है कि सेना ने तालिबान के ठीकानों पर हवाई हमले किए हैं। सरकार ने कहा है कि अफगानिस्तान के राष्ट्रीय रक्षा और सुरक्षा बलों (हृष्ठस्न) ने देश भर में सैकड़ों तालिबान आतंकवादियों को मार गिराया है। हेरात प्रांत में अमेरिकी वायु सेना के एक बी-52 विमान द्वारा किए गए हवाई हमले में कम से कम 200 सौ तालिबान आतंकवादी मारे गए। अफगानिस्तान के सुरक्षा बलों ने गजनी, कंधार, फराह, जोजजान, बल्ख, समांगन,

हेलमंद, तखर, कुंदुज, बगलान, काबुल और कपिसा प्रांतों में तालिबान के खिलाफ प्रमुख अभियान और जवाबी हमले किए हैं।

गनी की टिप्पणी अफगानिस्तान स्वतंत्र मानवाधिकार आयोग (एआईएचआरसी) ने एक रिपोर्ट में कहा है कि इस साल के पहले छह महीनों में 1,594 विभिन्न सुरक्षा घटनाओं में 1,677 नागरिक मारे गए हैं और 3,644 घायल हुए हैं। एआईएचआरसी ने एक रिपोर्ट में कहा, ÷यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि 2020 के पहले छह महीनों में नागरिक हताहतों की कुल संख्या 2,957 थी, जिसमें 1,213 लोग मारे गए और 1,744 घायल हुए।÷ ÷उपरोक्त आंकड़ों की तुलना से पता चलता है कि 2020 के पहले छह महीनों की तुलना में 2021 के पहले छह महीनों में नागरिक हताहतों की संख्या में 80 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

तुर्की के जंगलों में लगी भीषण आग, 100 से अधिक जगहों पर बुझाई गयी आग

इस्तांबुल। (एजेंसी)।

तुर्की में भीषण गर्मी के बीच बोड्रम के नजदीकी जंगलों में लगी आग पर काफी हद तक काबू पा लिया गया है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि 100 से अधिक जगहों में लगी आग पर काबू पा लिया गया है। हालांकि दमकल विभाग के कर्मचारी प्रसिद्ध समुद्री पर्यटन केन्द्रों में लगी आग पर काबू पाने के काम में जुटे हुए हैं। तुर्की के कृषि और वानिकी मंत्री बेकिर पाकदेमिरली ने ट्वीट कर कहा कि अंताल्या और मुगला जैसे पर्यटन केन्द्रों के कुल पांच इलाकों में आग अब भी लगी हुई है जबकि 107 क्षेत्रों में लगी आग पर काबू पा लिया गया है। अंताल्या के दो जिलों में आग अब भी लगी हुई है। मुगला में आग मर्मारिस के पर्यटन स्थल के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में भी अपना कहर बरपा रही है। घबराए हुए सैलानियों को शनिवार को होटलों से निकालकर सुरक्षित स्थानों की ओर पहुंचाया गया। तुर्की के स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि शनिवार को दो वन्यकर्मियों की मौत के बाद भूमध्यसागर से सटे शहर में जंगल की आग से मरने वालों की संख्या बढ़कर छह हो गई है। बुधवार से जंगल में आग फैलने लगी और आग की चपेट में कुछ बस्तियां, पर्यटन केंद्र और गांव भी आ गए। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। यह आग कुल 32 प्रांतों में फैल गयी थी। तटरक्षक इकाई ने अभियान का नेतृत्व किया और अधिकारियों ने निजी नौकाओं को जंगल की आग के कारण सैलानियों को सुरक्षित जगह पहुंचाने में सहयोग करने को कहा।

एक्सपोज हो रहा पाकिस्तान, अब कनाडा के नेता ने लगाया तालिबान को ट्रेनिंग का आरोप, भड़का

दुबई। (एजेंसी)।

तालिबानी लड़ाकों को आतंकवादी की बजाय उन्हें आम नागरिक बताने वाले पाकिस्तान को अब दुनिया एक्सपोज कर रही है। कनाडा के पूर्व मंत्री क्रिस एलेक्जेंडर की ऐसी ही एक ट्विटर पोस्ट पर पाकिस्तान बिफर गया है। क्रिस एलेक्जेंडर ने तालिबानी लड़ाकों की एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वे सीमा रेखा के पास दिख रहे हैं। उस तस्वीर को शेयर करते हुए एलेक्जेंडर ने लिखा है, 'तालिबान के लड़ाके पाकिस्तान से अफगानिस्तान की सीमा में घुसने का इंतजार कर रहे हैं। क्या अब भी कोई इस बात से इनकार कर सकता है कि पाकिस्तान प्रॉक्सी वॉर और वॉर क्राइम को अफगानिस्तान में बढ़ावा दे रहा है।'

अब पाकिस्तान ने उन पर बिफरते हुए बयान जारी कर कहा है कि हम उनके स्टेटमेंट की निंदा करते हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि उनका बयान यह बताता है कि उन्हें जमीनी हकीकत की जानकारी नहीं है। वे अफगानिस्तान की शांति प्रक्रिया के बारे में कुछ नहीं जानते हैं। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय की ओर से एक ट्वीट में कहा गया है, 'हम कनाडा के मंत्री क्रिस एलेक्जेंडर की अवांछित टिप्पणी की निंदा करते हैं, जिससे एक भ्रम पैदा होता है। अफगानिस्तान में शांति प्रक्रिया को लेकर गलत राय कायम होती है। इस तरह के बयान बताते हैं कि उन्हें मुद्दे की कतई समझ नहीं है और वह जमीनी तथ्यों से भी अनजान हैं।'

यही नहीं पाकिस्तान एलेक्जेंडर के इस बयान पर ऐसा बिफरा है कि कनाडा सरकार से भी इस मुद्दे को उठाया है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने कहा, 'हमने इस मुद्दे को कनाडा सरकार के समक्ष उठाया है। हमने कनाडा सरकार से कहा है कि वह कदम उठाए कि इस तरह के मोटिवेटिड और गलत कैंपेन चलाने वाले बयानों पर रोक लग सके।' यही नहीं पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि अब दुनिया ने अफगानिस्तान को लेकर इमरान खान के बयानों को समझा है। अब उनकी बातों की सराहना की जा रही है, जिन्हें वह लंबे समय से दोहराते रहे हैं।

किराये पर रह रहे लोगों के लिए बढ़ा खतरा, मकान खाली को मजबूर हो रहे अमेरिकी

बोस्टन। (एजेंसी)।

अमेरिका में राष्ट्रव्यापी निष्कासन स्थगन आदेश की अवधि सोमवार को समाप्त हो रही है ऐसे में किराये के घरों में रह रहे लोगों को अपने मकान जल्द खाली करने पड़ सकते हैं। महामारी के दौरान मकान खाली कराने पर रोक थी। आवास अधिवक्ताओं ने आशंका जताई है कि केंद्रीय रोग नियंत्रण एवं रोकथाम (सीडीसीपी) द्वारा लगाई गई रोक खत्म होने से आने वाले हफ्तों में लाखों लोगों को अपने किराये के आवास खाली करने पड़ सकते हैं। बाइडन प्रशासन ने बृहस्पतिवार को कहा था कि वह इस रोक को आगे नहीं बढ़ाएगा, क्योंकि अमेरिका की सर्वोच्च अदालत ने संकेत दिया है कि किराये के मकान खाली करने पर लगाई गई रोक को सिर्फ महीने के अंत ही बढ़ाया जा सकता है। सांसदों ने शुक्रवार को किराये के आवास खाली करने पर रोक को कुछ महीने बढ़ाने की कोशिश की लेकिन उन्हें कामयाबी नहीं मिली।

बाइडेन प्रशासन ने उम्मीद जताई है कि दिसंबर और मार्च में कांग्रेस द्वारा आवंटित किराया सहायता निधि घर खाली करने के संकट को टालने में मदद करेगी,लेकिन इनके वितरण में काफी देरी हुई है। एशले फोन्सिरी (22) के घर खाली करने के मामले की बृहस्पतिवार को सुनवाई है। उनका कहना है कि उनके मकान मालिक ने किराया सहायता लेने से मना कर दिया है। सैंट लुईस में शैरिफ का दफ्तर घर खाली कराने से संबंधित अदालत के आदेशों की तामील करता है। शैरिफ वर्नोन बेट्स ने कहा कि मकान खाली कराने से संबंधित 126 आदेश हैं और वे रोक की अवधि समाप्त होने का इंतजार कर रहे हैं,उनका दफ्तर नौ अगस्त से प्रतिदिन ऐसे 30 आदेशों को लागू करने की योजना बना रहा है।। उन्होंने कहा कि जल्द ही सैकड़ों आदेश आने की संभावना है।

तानाशाह किम की धमकियों के बावजूद रिश्तों में सुधार चाहता है दक्षिण कोरिया

सियोल। (एजेंसी)।

दक्षिण कोरिया ने सोमवार को कहा कि वह प्रतिद्वंद्वी उत्तर कोरिया के साथ रिश्तों में सुधार और बातचीत शुरू करने की कोशिश जारी रखेगा। उधर, उत्तर कोरिया ने चेतावनी दी है कि अगर दक्षिण कोरिया अमेरिका के साथ मिलकर सैन्य अभ्यास करता है तो इससे दुश्मनी फिर से शुरू हो सकती है। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की ताकतवर बहन ने रविवार रात को चेताया कि यह सैन्य अभ्यास कोरियाई देशों के बीच आपसी विश्वास को बहाल करने की कोशिश को गंभीर रूप से कम करेगा और बेहतर रिश्तों की संभावना को धुंधला कर देगा। यह अभ्यास इस महीने होना है।

दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि अभ्यास का सटीक समय और अन्य विवरणों को अभी तय नहीं किया गया है और इनका निर्धारण अमेरिका तथा दक्षिण कोरिया के अधिकारियों द्वारा किया जाएगा। प्रवक्ता बू सेउंग-चान ने अपना पुराना बयान दोहराते हुए कहा कि सियोल और वाशिंगटन महामारी की मौजूदा स्थिति, उत्तर कोरिया की परमाणु महत्त्वाकांक्षा को रोकना में कूटनीतिक कोशिश और दक्षिण कोरिया एवं अमेरिका की तैयारी जैसे कारकों का परीक्षण कर रहे हैं। एकीकरण मंत्रालय की प्रवक्ता ली जोंग जू ने कहा कि सियोल उत्तर कोरिया के साथ बातचीत

चाहता है लेकिन उसे इसके लिए कोई जल्दबाजी नहीं है। उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच सैन्य अभ्यासों को हमला करने के अभ्यास के तौर पर देखता है और अपने हथियारों का परीक्षण कर अक्सर उनका जवाब देता है।

ट्रंप ने मोदी को बताया था कठिन वार्ताकार, बाइडेन प्रशासन भी भारत की कुछ आर्थिक नीतियों से चिंतित

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने अपने दो दिवसीय भारत यात्रा के दौरान अफगानिस्तान में तेजी से बदल रहे सुरक्षा परिदृश्य, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भागीदारी को बढ़ावा देने और कोविड-19 महामारी से निपटने के प्रयासों समेत कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत की। वहीं ऐसी भी जानकारियां भी हैं कि विदेश मंत्री जयशंकर और एंटनी ब्लिंकन के बीच हुई वार्ता में मौजूदा कारोबारी रिश्तों को लेकर कुछ तल्ख मुद्दे भी उठे।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एंटनी ब्लिंकन ने भारत सरकार की प्रस्तावित ई-कामर्स नीति लेकर आपत्ति दर्ज कराई है। हालांकि भारत की तरफ से इन मुद्दों को सुलझाने का आश्वासन दिया गया है। बताया जा रहा है कि आगामी ट्रेड समझौते में इस समस्या का समाधान निकाला जाएगा। हालांकि ट्रेड वार्ता कब होगी ? इसके बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है। आपको याद हो तो पिछले साल गुजरात में हुए 'नमस्ते ट्रंप' कार्यक्रम में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को Tough Negotiator (कठिन वार्ताकार) बताया था। लेकिन अब कुछ आर्थिक नीतियों को लेकर बाइडेन प्रशासन ने भी चिंता जाहिर की।

ट्रंप ने कहा था कि हम जल्द ही एक बड़ा व्यापार सौदा करेंगे, जिस पर वर्तमान में बातचीत की जा रही है। प्रधान मंत्री मोदी कठिन वार्ताकार हैं।

एस जयंशकर ने एंटनी ब्लिंकन के साथ हुई बातचीत की जानकारी देते हुए कहा था कि हमारी द्विपक्षीय साझेदारी इस स्तर तक बढ़ी है कि यह हमें बड़े मुद्दों से मिलकर निपटने में सक्षम बनाती है। उन्होंने कहा था कि कोरोना महामारी स्वभाविक रूप से खास प्राथमिकता है। हमने कोविड से उत्पन्न यात्रा चुनौतियों पर चर्चा की। जयशंकर ने कहा था कि हमारी नजर अफगानिस्तान, हिंद-प्रशांत और खाड़ी क्षेत्र पर है।

वहीं, संयुक्त मीडिया ब्रीफिंग में एंटनी ब्लिंकन ने कहा था कि दुनिया में कुछ ही ऐसे संबंध है जो अमेरिका भारत के बीच के रिश्ते से अधिक अहम हैं। साथ ही उन्होंने कहा था कि भारत और अमेरिका के कदम ही 21वीं सदी और उसके बाद के दौर का स्वरूप तय करेंगे और यही वजह है कि भारत के साथ साझेदारी मजबूत करना होगा। इसके अलावा उन्होंने दोनों देशों के बीच उत्पन्न कारोबारी अड़चनों को दूर करने की दिशा पर लगातार काम करना होगा। इस बारे में भी हमारी बातचीत हुी है।

उन्होंने कहा था कि अगर हम कारोबार व निवेश के लिए सही माहौल का निर्माण करते हैं तो हमारे देश की निजी क्षेत्र की कंपनियां

साथ-साथ बहुत कुछ हासिल कर सकती हैं।

अफगानिस्तान मुद्दे पर हुई बात

भारत यात्रा के दौरान एंटनी ब्लिंकन ने कहा था कि अफगान के नेतृत्व और अफगानिस्तान के स्वामित्व वाली शांति प्रक्रिया वहां होनी चाहिए। भारत इस स्थिति का पिछले कई वर्षों से पक्षधर रहा है। उन्होंने कहा था कि शांतिपूर्ण, सुरक्षित और स्थिर अफगानिस्तान में भारत और अमेरिका की गहरी रुचि है। एक नेता और क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण साझेदार के रूप में भारत ने अफगानिस्तान की स्थिरता और विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और आगे भी ऐसा करना जारी रखेगा तथा हम अफगान लोगों के हितों को कायम रखने व गठबंधन सेनाओं की देश से वापसी के बाद क्षेत्रीय स्थिरता के लिये साथ काम करना जारी रखेंगे।

सार समाचार

रूस के कुर्लिस्क में हिली धरती, महसूस हुए भूकंप के तेज झटके

नई दिल्ली। रूस में कुर्लिस्क के दक्षिण-दक्षिण पूर्वी क्षेत्र में सोमवार को मध्यम श्रेणी के भूकंप के झटके महसूस किये गये। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण एजेंसी के मुताबिक रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5. 4 मापी गयी। भूकंप का केंद्र 44 1322 उत्तरी अक्षांश और 148 2984 पूर्वी देशांतर तथा जमीन की सतह से 35 किलोमीटर की गहराई में रहा। भूकंप से किसी प्रकार के जानमाल के नुकसान की रिपोर्टों नहीं हैं। बता दें कि हाल ही में पेरू के उत्तर प्रशांत तट पर शुक्रवार को 6.1 तीव्रता का भूकंप आया थी जिससे बेहद प्राचीन गिरजाघर क्षतिग्रस्त हो गया और कम से कम एक व्यक्ति घायल हो गया। अमेरिका के भूगर्भीय सर्वे विभाग की ओर से बताया गया कि भूकंप दोपहर सुल्लाना शहर से आठ किलोमीटर दूर पूर्व दिशा में आया। ये भूकंप दक्षिण इक्काडोर तक महसूस किया गया था। पियूरा स्थित 16वीं सदी के गिरजाघर का एक हिस्सा भूकंप के कारण ढहता नजर आया। भूकंप के कारण अन्य समुदायों के दो धर्मस्थलों और तीन दमकल केंद्रों को भी नुकसान पहुंचा।

ईरान ने किया ड्रोन से इजरायली जहाज पर हमला! तीन देशों ने लगाया आरोप

दुबई। इजराइल के बाद अमेरिका और ब्रिटेन ने भी ईरान पर अरब सागर में ओमान के तट के पास एक तेल टैंकर पर ड्रोन से हमला करने का आरोप लगाया। इससे हमले से इनकार कर रहे ईरान पर दबाव और बढ़ गया है। ब्रिटेन के विदेश मंत्री डॉमनिक राब ने इसे गैरकानूनी व क्रूर हमला करार देते हुए कहा कि उनका देश और उसके सहयोगी बृहस्पतिवार रात को तेल टैंकर 'मर्कर स्ट्रीट' पर हुए हमले को लेकर समन्वित प्रतिक्रिया की योजना बना रहे हैं। वहीं इसके बाद अमेरिका के विदेश मंत्री एटंनी ब्लिंकन ने कहा कि ''इस हमले का कोई औचित्य नहीं है, जो हमलों वाले व्यवहार के एक स्वरूप का अनुसरण करता है।'' ईरान के साथ विश्व शक्तियों के खटाई में पड़े परमाणु समझौते के बाद उपजे तनाव के बीच यह इस क्षेत्र में लंबे अरसे बाद किसी वाणिज्यिक पोत पर किया गया पहला ज्ञात घातक हमला है। अब तक किसी ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है लेकिन ईरान और उसके मिलीशिया सहयोगी पूर्व में 'आत्मघाती' ड्रोन हमलों को अंजाम देते रहे हैं।

कैलिफोर्निया में हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्ट, चार लोगों की मौत

नई दिल्ली। अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत के कोलुसा काउंटी में हुई हेलीकॉप्टर दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई। स्थानीय शेरिफ विभाग ने यह जानकारी दी है।यूएस फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) के अनुसार, स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 1315 बजे सैक्रामेंटो के उत्तर में काउंटी के एक दूरदराज के इलाके में रविवार को रॉबिन्सन आर 66 हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हुआ। कोलुसा काउंटी शेरिफ विभाग ने हेलीकॉटर में सवार सभी लोगों के दुर्घटना में मारे जाने की पुष्टि की है। यूएस नेशनल ट्रांसपोटेर्शन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) दुर्घटना के कारणों की जांच कर रहा है। एनटीएसबी ने ट्व्टर पर कहा, 'एनटीएसबी एक अगस्त को कैलिफोर्निया में कोलुसा के पास रॉबिन्सन आर 66 हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त होने की जांच कर रहा है।' सीबीएस ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि दुर्घटना कोलुसा के पास रिजवेर्शन रोड पर राजमार्ग 45 के पास हुई।

खत्म होने की कगार पर ढाई करोड़ की आबादी का यह शहर, क्लाइमेट चेंज का कहर

लागोस। कारें और घर पानी में डूब गए हैं। कहां नाली है और कहां बारिश का पानी है, यह अंतर पता नहीं चलता। लोग इस बात का अनुमान लगाने में बिजी हैं कि आखिर बाढ़ के चलते उनकी प्रॉपर्टी का कितना नुकसान हुआ है। यह हाल है अफ्रीका के सबसे ज्यादा आबादी वाले और नाइजीरिया के फाइनेंशियल सेंटर लागोस का। बारिश के मौसम में बीते कई सालों से यहां बुरा हाल हो जाता है। मार्च से नवंबर महीनों के दौरान इस शहर में बाढ़ के हालात रहते हैं और जीना मुहाल हो जाता है। खासतौर पर जुलाई और अगस्त के आसपास संकट और गहरा हो जाता है। लागोस के 32 वर्षीय शख्स एसेलेबोर ओसेलुनामहेन ने सीएनएन से बातचीत में कहा कि मैं बड़ी मुश्किल से अपने घर से निकल पाया हूं। बाढ़ के चलते सड़कों पर काफी ट्रैफिक रहता है। हम जितना आगे बढ़ते हैं, वाटर लेवल भी उतना ही बढ़ जाता है। यहां तक कि मेरी कार के बंपर तक पहुंच जाता है। यहां तक कि बाढ़ का पानी कार के भीतर भी कई बार घुस आता है। सोशल मीडिया पर अकसर ऐसे वीडियो और फोटो शेयर होते हैं, जिसमें शहर पूरी तरह पानी में डूबा नजर आता है। इसके चलते हर साल लागोस में 4 अरब डॉलर के कारोबार का नुकसान होता है।

उजड़ता देश: तालिबान के डर से हर सप्ताह 30 हजार लोग छोड़कर भाग रहे अफगानिस्तान

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के कई जिलों में तालिबान ने अपना कब्जा कर लिया है। अफगान विदेश मंत्रालय के अनुसार तालिबान ने 193 जिला केंद्रों और 19 सीमावर्ती जिलों पर कब्जा कर लिया है। तालिबान द्वारा की गई हिंसा में यहा 2 हजार से ज्यादा लोग मारे गए हैं। तालिबान के आतंक से परेशान होकर लोगों ने अफगानिस्तान छोड़कर दूसरे देशों में जाना शुरू कर दिया है। हर सप्ताह लगभग 30 हजार लोग अफगानिस्तान छोड़कर भाग रहे हैं। मजबूर लोग अस्थायी शिविरों में रह रहे हैं, कुछ अपने रिश्देदारों के घर रहे हैं। लोग अवैध तरीकों से सीमा पार करने के लिए तस्करों की भी मदद ले रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, इस साल अब तक लगभग 330, 000 लोग अफगानिस्थान से विस्थापित हुए हैं, जिनमें से आधे से ज्यादा लोग अपने घरों को छोड़कर इसलिए भाग गए, क्योंकि अफगानिस्तान से अब विदेशी सैनिकों की वापसी हो रही है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मोबाइल और रुपए लालच देकर सिविल अस्पताल कर्मचारी ने महिला से किया दुष्कर्म

क्रांति समय दैनिक

सूरत,शहर के नए सिविल अस्पताल में एक शर्मनाक घटना सामने आई है। सिविल अस्पताल के कर्मचारी ने नया मोबाइल और दो हजार रुपए की लालच देकर एक मरीज की पत्नी के साथ दुष्कर्म किया। दुष्कर्म के बाद से कर्मचारी फरार है। महिला ने कर्मचारी के खिलाफ पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। जानकारी के मुताबिक सूरत के नए सिविल अस्पताल में 10 दिन से एक युवक उपचाराधीन है। एचआईवी और टीबी पीड़ित युवक की पत्नी भी उसके साथ अस्पताल में रहती है। अस्पताल से महिला के मोबाइल की चोरी हो गई। इसका पता जब अस्पताल के

कर्मचारी को चला तो उसने महिला को नया मोबाइल और दो हजार रुपए देने की लालच दी। मोबाइल और दो हजार रुपए देकर कर्मचारी महिला का यौन शोषण करना चाहता था। एक दिन मौका पाते ही रात्रि के दौरान महिला को बहला फुसलाकर अस्पताल के तीसरी मंझिल पर ले गया। जहां कर्मचारी ने महिला के साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद अस्पताल कर्मचारी नजर नहीं आने पर महिला ने उसकी खोजबीन शुरू कर दी। कर्मचारी की तलाश में महिला अस्पताल स्थित कर्मचारी की ऑफीस में पहुंची। वहां भी कर्मचारी के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली। जिसके बाद महिला ने पुलिस ने कर्मचारी के खिलाफ दुष्कर्म की रपट दर्ज करवाई है।

सुरत मनपा का सेवा सेतु कार्यक्रम महापौर-पालिका आयुक्तकी उपस्थिति में सामाजिक दूरी का अभाव

क्रांति समय दैनिक

सुरत, सुरत मनपा के आयुक्तऔर शहर की प्रथम नागरिक की उपस्थिति में निति-नियम का सरेआम हुआ उल्लंघन. पालिका द्वारा कतारगाम और उधना ज़ोन में संवाद दिन-सेवा सेतु कार्यक्रम का आयोजन किया गया

रूपाणी सरकार के पांच वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में सूरत शहर के कतारगाम क्षेत्र के सामुदायिक भवन में नगर पालिका द्वारा संवाद दिन-सेवा सेतु कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कतारगाम क्षेत्र में सेवा सेतु कार्यक्रम में शहर के महापौर, स्थायी समिति के अध्यक्ष व नगर आयुक्त स्वयं उपस्थित थे. हैरानी की बात यह है कि कोरो के संक्रमण की तीसरी लहर इस तरह उसकी आंखों के सामने आमंत्रित किए जाने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई।

भाजपा सांसद ने कहा – पूरे गुजरात में बिकती है शराब, सांसद का कथित ऑडियो वायरल

क्रांति समय दैनिक

उत्तर गुजरात के पाटन से भाजपा सांसद भरतसिंह डाभी का एक कथित ऑडियो क्लीप वायरल हुआ है। जिसमें वे कबूल कर रहे हैं कि पूरे गुजरात में शराब बिकती है। यूं तो गुजरात में शराब पर पूर्ण प्रतिबंध है, लेकिन आए दिन लाखों रुपए की शराब पकड़ी जाती है। ऐसे में भाजपा सांसद का कबूलनामा राज्य सरकार के दावों की पोल रहा है। दरअसल एक शख्स ने सांसद को शराब को लेकर फोन किया था। जिसके जवाब में सांसद ने

कहा कि पूरे गुजरात में शराब बिकती है। फोन करने शख्स ने कहा कि शराब माफिया हप्ता देते हैं और वह सांसद तक पहुंचता है। शख्स के इस आरोप से सांसद महोदय भड़क गए और कहा कि दो साल बाद पाटन में शराब की एक बूंद नहीं मिलेगी, पाटन तो क्या पूरे गुजरात में शराब नहीं मिलेगी। शराब के अड्डों के बारे में सांसद ने कहा कि मुझे सब पता है, लेकिन कार्यवाही करने वाले उदासीन हैं। गृह राज्य मंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा के पाटन दौरे के बीच भाजपा सांसद भरतसिंह डाभी के कथित ऑडियो ने रूपाणी सरकार के शराब बंदी के दावों की पोल खोल दी है। पहले कांग्रेस आरोप लगाती थी कि पूरे गुजरात में शराब बिकती है। अब तो भाजपा के सांसद स्वयं कबूल कर रहे हैं कि समूचे गुजरात में शराब बिकती है।

सार-समाचार

सेल्फी के चक्कर में तीन विद्यार्थी गिरे नहर में, एक की मौत

सुरेन्द्रनगर,दूधरेज के निकट से गुजरती नहर पर तीन विद्यार्थी सेल्फी ले रहे थे। उस वक्ततीनों नहर में जा गिरे। दो विद्यार्थियों को आसपास के लोगों ने बचा लिया, लेकिन एक विद्यार्थी की मौत हो गई। पुलिस ने दुर्घटना मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। घटना है रविवार की। अगस्त महीने का पहले रविवार को फ्रेंडशिप के रूप में मनाया जाता है। रविवार को फ्रेंडशिप के मौके पर सुरेन्द्रनगर जिले के एक शिक्षक और तीन विद्यार्थी दूधरेज के निकट गुजरती नहर पर गए थे। जहां तीनों विद्यार्थी सेल्फी लेने के प्रयास में नहर में जा गिरे। विद्यार्थियों के नहर में गिरने की चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंच गए और बचाव कार्य शुरू कर दिया। स्थानीय लोगों ने दो विद्यार्थियों को बचा लिया, जबकि उर्वेश इमरानखान पठान नामक 12वीं कक्षा के एक विद्यार्थी की पानी में डूब कर मौत हो गई। खबर मिलते ही स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और मामले की जांच शुरू कर दी।

पांच युवक एक साल से युवती के साथ कर रहे थे दुष्कर्म, गर्भवती होने पर ४ धरे गए, एक फरार

अमरेली,लाठी के एक गांव में रहनेवाली वर्षीय युवती के साथ पांच युवक अलग अलग समय पर दुष्कर्म कर रहे थे। एक साल से यौन शोषण की शिकार युवती के गर्भवती होने पर युवकों के दुष्कर्म का भांडा फूटा। युवती के शिकायत के आधार पर पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक युवक की तलाश जारी है। अमरेली जिले की लाठी तहसील में रहनेवाली 22 वर्षीय एक युवती को पांच युवक उठा ले गए और उसके साथ दुष्कर्म किया। दुष्कर्म के बाद युवकों ने युवती को धमकी दी कि यदि उसने किसी को कुछ बताया तो उसे जान से मार देंगे। धमकी से भयभीत युवती ने किसी को कुछ नहीं बताया और करीब एक साल तक उनकी वासना का शिकार होती रही। घटना का पर्दाफाश तब हुआ जब युवती गर्भवती हो गई। आखिरकार युवती पुलिस थाने पहुंच गई और विवेक मनसुख बगडा, विजय हरि बगड़ा, विजय नरसी मेवाडा, मनीष भगवान बगड़ा और चिराग रमेश मेवाडा के खिलाफ दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज करवा दी। ये पांचों युवक अलग अलग समय गांव के एक खाली पड़े मकान में ले जाते थे। जहां उसके साथ युवक दुष्कर्म करते थे। एक साल से चल रहे इस सिलसिले से पांच में किसी एक युवक से युवती गर्भवती हो गई। युवती की शिकायत के आधार पर दामनगर पुलिस ने चार आरोपियों

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

मध्य प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री के बयान के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने करवाया सद्बुद्धि यज्ञ

भोपाल। मध्य प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग के बयान के बाद सियासत गरमा गर्मी शुरु हो गई है। विश्वास सारंग के अजीबो गरीब बयान पर जवाब में कांग्रेस ने कहा कि मंत्री जी पगला गए हैं। इसी कड़ी में कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला नेहरू की लिखी भारत एक खोज किताब विश्वास सारंग के बंगले पर भेट करने पहुंच गए।
आपको बता दें कि विश्वास सारंग को पुस्तक भेंट करने जा रहे कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला के साथ कार्यकर्ताओं की पुलिस के साथ धक्का मुक्की भी हो गई। जिसके बाद भोपाल पुलिस ने मनोज शुक्ला को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने विश्वास सारंग के लिए सद्बुद्धि यज्ञ का भी आयोजन किया।
वहीं इस बयान के बाद युवा कांग्रेस के प्रवक्ता सैय्यद सऊद हसन ने कहा था कि नरेला विधायक एवं मंत्री विश्वास सारंग का कहना है – नेहरू जी ने 15 अगस्त 1947 को जो भाषण दिया उसके कारण आज 2021 में महंगाई है। क्या इससे ज़्यादा मूर्खतापूर्ण बात कुछ और हो सकती है ?या इतने ज़िम्मेदार पद पर रहने के बावजूद ऐसे निराधार बातें करना सही है ?मुझे दु:ख है के आज हमारी विधानसभा का नेतृत्व ऐसे बुद्धिजीवी लोग कर रहे हैं।

नीतीश कुमार ने बढ़ाई भाजपा की टेंशन, पेगासस जासूसी मामले की जांच की मांग की

नई दिल्ली । एक ओर जहां विपक्ष संसद में सरकार के खिलाफ पेगासस मामले को लेकर आक्रमक रुख अपनाए हुए हैं। तो वही बिहार के मुख्यमंत्री और एनडीए के प्रमुख सहयोगी नीतीश कुमार ने भी पेगासस मामले की जांच की मांग कर दी है। संवाददाताओं से बातचीत में नीतीश कुमार ने कहा कि संसद में पेगासस मुद्दे पर चर्चा होनी चाहिए। साथ ही साथ उन्होंने कहा कि इस पर जांच होनी चाहिए। नीतीश ने कहा, वास्तव में जांच होनी चाहिए। हम इतने दिनों से टेलीफोन टैपिंग के बारे में सुन रहे हैं, इस मामले पर (संसद में) चर्चा होनी चाहिए। लोग (विपक्ष) इतने दिनों से (बातचीत के लिए) दोहरा रहे हैं, यह किया जाना चाहिए। आपको बता दें कि विपक्ष सरकार पर लगातार पेगासस जासूसी मामले की जांच और चर्चा कराने की मांग कर रहा है। ऐसे में नीतीश कुमार की ओर से इस तरह की मांग सरकार की मुश्किलें बढ़ा सकती है। दूसरी ओर नीतीश कुमार लगातार जाति आधारित जनगणना की मांग कर रहे हैं। केंद्र की सरकार इसे खरिज कर रही है। ऐसे में माना जा रहा है कि पेगासस मामले की जांच की मांग कर नीतीश कुमार ने भाजपा पर दबाव बनाने की शुरूआत कर दी है। आपको बता दें कि हाल में ही जदयू नेता उपेंद्र कुशवाहा ने नीतीश को पीएम मैटेरियल बताया था।

मंडी संसदीय उप चुनाव में प्रतिभा सिंह को मैदान में उतार भाजपा को घेरेगी कांग्रेस

शिमला। मंडी संसदीय लोकसभा क्षेत्र के लिये कांग्रेस पार्टी दिवंगत कांग्रेस नेता छह बार प्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके प्रतिभा सिंह को इस बार चुना मैदान में उतारने की तैयारी में है । हालांकि इससे पहले उन्हें अर्की विधानसभा उपचुनाव के लिये प्रत्याशी बनाने की सोच चल रही है लेकिन कांग्रेस आलाकमान वीरभद्र सिंह की लोकप्रियता को देखते हुए विधानसभा के बजाय लोकसभा चुनाव लड़ने की तरजीह दे रहा है । मंडी सीट सांसद रामस्वरूप शर्मा के निधन से खाली हुई है ।

शिवसैनिकों ने तोड़ा मुंबई हवाई अड्डे पर अडानी एयरपोर्ट वाला बोर्ड, नाम बदलने का किया था विरोध

मुंबई। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज एयरपोर्ट पर शिवसैनिकों की ओर से अडानी ग्रुप के नाम वाला बोर्ड हटाने का मामला सामने आया है। अडानी एयरपोर्ट लिखे बोर्ड को हटाते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया जा रहा है। दरअसल मुंबई एयरपोर्ट का नाम अडानी एयरपोर्ट किए जाने को लेकर शिवसेना ऐतराज जताती रही है। इसी साल जुलाई में अडानी एयरपोर्ट ने मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के मैनेजमेंट का काम संभाला है। इससे पहले मुंबई एयरपोर्ट के मैनेजमेंट का काम जीवीके ग्रुप के पास था। अडानी ग्रुप की मुंबई एयरपोर्ट में 74 फीसदी की हिस्सेदारी है।

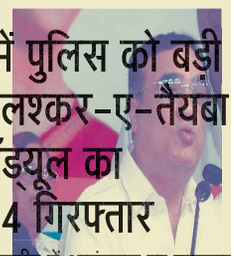

अनंतनाग में पुलिस को बड़ी कामयाबी, लश्कर-ए-तैयबा के टेरर मॉड्यूल का भांडाफोड़, 4 गिरफ्तार

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद पर लगातार प्रहार जारी है। इसी कड़ी में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अनंतनाग में लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी मॉड्यूल का भांडाफोड़ किया है और इस मामले में 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनपर आरोप है कि ये ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर के इलाके के युवाओं को आतंकी गतिविधियों के लिए ट्रेनिंग दे रहे थे। जानकारी के मुताबिक, जिन चार लोगों को पकड़ा गया है वे युवाओं के मन में जहर घोलकर उन्हें लश्कर-ए-तैयाब और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे आतंकी संगठनों को जॉइन करने के लिए उकसाते थे। दो दिन पहले ही जम्मू-कश्मीर में पुलवामा के त्राल हंगलमर्ग वन क्षेत्र में आतंकवादियों के ठिकानों पर हुई कार्रवाई में दो आतंकवादियों को मार गिराया था। इसमें से एक इस्माइल अलवी भी था जो कि आतंकी सरगना मसूद अजहर का खून का रिश्तेदार था।
बता दें कि इससे पहले बीते महीने भी जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बडगाम में लश्कर के टेरर मॉड्यूल का भांडाफोड़ किया था। इस दौरान एक आतंकी और उसके चार सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया था।

आखिर केंद्र को जाति आधारित जनगणना से परहेज क्यों? इससे क्षेत्रीय दलों को क्या होगा फायदा?

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

जाति आधारित जनगणना को लेकर बिहार की राजनीति गर्म है। जदयू और राजद दोनों ही जाति आधारित जनगणना की मांग लगातार करते रहे हैं। इन सबके बीच केंद्र सरकार ने लोकसभा में यह कह दिया कि जाति आधारित जनगणना संभव नहीं है। लेकिन सबसे बड़ी बात तो यह है कि आखिर केंद्र सरकार जाति आधारित जनगणना के सवाल पर क्यों बचती दिख रही है? कभी भाजपा ने जाति आधारित जनगणना का समर्थन किया था लेकिन आज वह इस से परहेज करती दिखाई दे रही है। आखिर जाति आधारित जनगणना की मांग क्षेत्रीय दल क्यों करते हैं? वर्तमान समय में देखें तो क्या जाति आधारित जनगणना केवल एक राजनीतिक मुद्दा बनकर रह जाएगा या इस पर कोई हल भी निकलेगा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने साफ तौर पर कह दिया है कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर जाति आधारित जनगणना की मांग करेंगे। जब से सरकार ने इस बात को संसद में कहा है कि वह जाति आधारित जनगणना के पक्ष में नहीं है तब से ओबीसी संगठन जाति आधारित जनगणना को लेकर दबाव बना रहे हैं। दूसरी और सरकार की ओर से इसका काट निकालते हुए नीट की परीक्षा में ओबीसी को आरक्षण देखकर एक मास्टर स्ट्रोक खेला गया है।

सबसे बड़ा सवाल तो यही है कि आखिर जाति आधारित जनगणना को लेकर सरकार परहेज क्यों कर रही है? इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि सरकार जाति आधारित जनगणना शुरू कर खुद के लिए एक नया मोर्चा खड़ा नहीं करना चाहती। आखरी बार जाति आधारित जनगणना की रिपोर्ट 1931 में आई थी। इस जनगणना के अनुसार और मंडल कमीशन के रिसर्च के मुताबिक के तक देश में पिछड़े वर्ग की आबादी 54 फ़ीसदी थी। लेकिन अब माना जा रहा है कि इसमें काफी इजाफा हुआ होगा। ऐसे में अगर सरकार जाति आधारित जनगणना कराती है तो नौकरी से लेकर शिक्षा तक में तथा राजनीति और तमाम जगहों पर प्रतिनिधित्व का हिस्सा मांगने के लिए नए सिरे से मांग उठ सकती है जो सरकार के लिए मुश्किलें खड़ा कर सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत तय कर रखी है।

जाति आधारित जनगणना के बाद संवैधानिक बदलाव की भी मांग उठ सकती है जो सरकार नहीं करना चाहती। दूसरी ओर केंद्र सरकार ने आर्थिक रूप से गरीबों को 10 फ़ीसदी आरक्षण देकर उस सीमा को पार कर लिया है जो सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय की गई थी। लेकिन इसमें जाति का दीवार नहीं रखा गया था। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट कर रखा है कि कोई भी राज्य 50 फ़ीसदी की सीमा को पार नहीं कर सकते हैं। साथ में प्राइवेट नौकरियों में आरक्षण की मांग भी लगातार उठाई जा रही है। जाति आधारित जनगणना के आंकड़े आने के बाद समाज में ताने-बाने के अलावा राजनीतिक स्थिति में भी बहुत बड़े बदलाव की स्थिति हो सकती है। शैक्षिक संस्थानों में भी आरक्षण की मांग नए सिरे से सामने आएगी जो सरकार के लिए मुश्किलें पैदा कर सकती हैं। केंद्र सरकार को यह लगता है कि गुड गवर्नेंस का आकार पीछे रह जाएगा और एक बार फिर से देश की राजनीति आरक्षण के मुद्दे के इर्द-गिर्द घूमने लगेगी। क्षेत्रीय दल जाति आधारित जनगणना के मानकर ओबीसी वोटरों को अपने पाले में करने की कोशिश करती रहती हैं। साथ ही साथ उन्हें जाति आधारित जनगणना से इस बात का आभास हो जाएगा कि राज्य में ओबीसी कितनी प्रतिशत है। इसके अनुसार वह इन्हें साधने के लिए आगे बढ़ सकती हैं।

1931 के बाद यूपीए-2 की सरकार ने जाति आधारित जनगणना के लिए निर्णय तो लिया था लेकिन वह इसे शुरू नहीं कर सकी। खुद प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह तैयार नहीं थे। जाति आधारित जनगणना यूपीए के घोषणापत्र में था। ऐसे में मुलायम सिंह यादव और लालू यादव और मायावती को साथ लेने के लिए तब कि यूपीए सरकार को इस मुद्दे पर आगे बढ़ना पड़ा। 2011 की कैबिनेट ने 70 सालों बाद जाति आधारित जनगणना कराने की प्रक्रिया की शुरुआत की थी। तब भी सरकार में कुछ लोगों ने इसका विरोध किया था। वर्तमान में तो संघ भी नहीं चाहता कि जाति आधारित जनगणना हो। संघ को लगता है कि अगर जाति आधारित जनगणना होगी तो वृहद हिंदुत्व की कल्पना को राजनीतिक रूप से धक्का लग सकता है। अभी सवर्ण जो भाजपा के कोर वोटर माने जाते हैं उन्हें भी इससे निराशा हो सकती है।

उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद का नाम बदलकर चंद्र नगर करने का प्रस्ताव हुआ पारित

फिरोजाबाद (उर प्रदेश)। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले का नाम बदलकर चंद्र नगर किए जाने संबंधी प्रस्ताव जिला पंचायत बोर्ड की बैठक में पारित कर दिया गया है। पिछले शनिवार को जिला पंचायत बोर्ड की प्रथम बैठक में फिरोजाबाद सदर ब्लॉक से ब्लॉक प्रमुख भाजपा नेता लक्ष्मी नारायण यादव ने फिरोजाबाद का नाम बदलकर चंद्र नगर किए जाने का प्रस्ताव शासन को भेजने का अनुरोध लिखित तौर पर किया। यादव ने सोमवार को बताया कि सांसद चंद्रसेन जादौन ने भी जिला पंचायत बोर्ड की बैठक में फिरोजाबाद का नाम चंद्र नगर किए जाने की मांग का समर्थन किया। इसके बाद यह प्रस्ताव पारित कर दिया गया।

अब इसे अंतिम निर्णय के लिए शासन को भेजा जाएगा। यादव ने कहा कि फिरोजाबाद का पूर्व में नाम चंद्रवाड़ था और बाद में इसे बदलकर फिरोजाबाद कर दिया गया था इसलिए इसका नाम चंद्र नगर होना चाहिए। इससे पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष के शपथ ग्रहण समारोह में भी प्रदेश के कैबिनेट मंत्री एवं जनपद के प्रभारी राजेंद्र सिंह उर्फ मोती सिंह ने शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित करने के दौरान फिरोजाबाद की जगह चंद्र नगर कहकर संबोधित किया था। वहीं, कई अन्य संगठनों ने फिरोजाबाद का नाम चंद्र नगर के स्थान पर सुहाग नगर किए जाने की मांग उठाई है।

अलगाववादी संगठन सिक्ख फार जस्टिस के निशाने पर भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा

शिमला। (एजेंसी)।

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर को सिक्ख अलगाववादी संगठन सिक्ख फार जस्टिस का अगला निशाना भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा बन गये हैं सोमवार को सुरक्षा एजेंसियां उस समय हरकत में आ गईं जब खालिस्तान समर्थक गुरपखवंत सिंह पन्नु की ओर से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा को धमकी भरी पफोन कॉल ऊना, हमीरपुर, कुल्लू और सोलन जिले के पत्रकारों के फोन पर मिली।

इसी तरह की काल पहले शिमला के पत्रकारों को मिली थी जिसमें जय राम ठाकुर को धमकी दी गई थी। सिख फॉर जस्टिस के अलगाववादी नेता गुरपखवंत सिंह पन्नु ने कहा कि देश में हजारों किसानों की मौत के लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा व्यक्तिगत तौर पर जिम्मेदार हैं। पन्नु ने कहा कि जेपी नड्डा भाजपा से जुड़े हैं और भाजपा की वजह से आंदोलनरत किसानों की कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

साथ ही पन्नु ने मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर को भी फिर धमकी देते हुए कहा कि 15 अगस्त को उन्हें झंडा नहीं फहराने देंगे। पन्नु ने

कहा कि कहा कि 15 अगस्त को लोग अपने घरों पर रहें। किसान ट्रैक्टर लेकर सड़कों पर उतरें और सीएम जयराम को तिरंगा फहराने से रोकें। तीन दिन पहले भी गुरपखवंत सिंह पन्नु ने प्रदेश के कई पत्रकारों को कॉल कर यह धमकी थी।

31 जुलाई को गुरपखवंत सिंह पन्नू के खिलाफ शिमला में अपराधिक मामला दर्ज किया गया है। प्रारंभिक जांच में यह पता चला है कि आरोपी गुरपखवंत सिंह खालिस्तान समर्थक गुट सिख्स फॉर जस्टिस का सदस्य है। इस संगठन को भारत सरकार ने 2019 में भारी विरोधी गतिविधियों के लिए प्रतिबंधित कर दिया था। इस संगठन का नेटवर्क विदेशों में है। जांच के दौरान यह भी पता चला है कि सभी कॉल वॉयस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल (वीओआईपी) के तहत की गई थीं। एसपी ऊना अर्जित सेन ठाकुर ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। इस बीच प्रदेश पुलिस ने तमाम नेताओं की सुरक्षा बढा दी है नड्डा के बिलासपुर आवास की सुरक्षा भी बढाई गई है

कोरोना वायरस की सम्भावित तीसरी लहर के प्रति सरकार लापरवाह: कांग्रेस

धर्मशाला। (एजेंसी)।

जिस तरह से कोरोना महामारी के मामले धीरे धीरे बढ़ने लगे हैं उससे महामारी की तीसरी सम्भावित लहर के आने का अंदेशा बढ़ने लगा है। ऐसे समय में सरकार को जहां विशेष इंतजामात करने की आवश्यकता है वहीं करोना के प्रति गम्भीरता दिखाने की भी ज़रूरत है। लेकिन सरकार की कार्यप्रणाली से कोई गम्भीरता नज़र नहीं आ रही। ऐसा लगता है कि सरकार की प्राथमिकता मात्र आगामी समय में होने वाले उपचुनाव ही हैं। यह आरोप प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता दीपक शर्मा ने आज भाजपा सरकार पर लगाए।

उन्होंने कहा कि सरकार की लापरवाही का ख़मियाज़ा जनता भुगत चुकी है।लेकिन सरकार ने उससे कोई सबक नहीं सीखा।जिस तरह से जनता को अपने हाल पर छोड़ दिया गया था अब फिर

सरकार उसी तरह का लापरवाहीपूर्ण रवैया अपनाए हुए है।कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि प्रदेश में अबतक 3500 से ऊपर लोग जान गंवा चुके हैं।यह सरकार की लचर स्वास्थ्य व्यवस्था का नतीजा है। अब आने वाले समय में सम्भावित तीसरी लहर को और भी खतरनाक बताया जा रहा है।ऐसे में सरकार को गम्भीरता दिखानी चाहिए।

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि वैक्सिनेशन अभियान को हर रोज़ मॉनिटर करने की आवश्यकता है।ताकि सम्भावित खतरों से जनता की जान की रक्षा हो सके।लेकिन सरकार का वैक्सिनेशन अभियान बहुत धीमी गति से चल रहा है।

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि जिस रफ्तार से वैक्सिनेशन अभियान चलाया जा रहा है उससे तो आगामी दो सालों तक पूरा हिमाचल वेक्सीनेट नहीं हो पाएगा।यह स्थिति चिंताजनक है।दीपक शर्मा ने कहा कि अबतक तो सरकार को पूरे इनताज़ाम कर लेने चाहिए थे।लेकिन सरकार सोई है।जनता परेशान है।उन्होंने कहा की कांग्रेस पार्टी ने आगामी समय में तीसरी लहर के खतरे को भांपते हुए कार्यकर्ताओं के विशेष जत्थे तैयार किए जाएं ताकि सम्भावित खतरों से निपटा जा सके।

उन्होंने कहा कि कंगना पार्टी ने गांधी हेल्पलाइन के माध्यम से प्रदेश की जनता की निस्वार्थ सेवा करने का जो अभियान चलाया है वह अनुकरणीय प्रयास है।उन्होंने कहा कि कांग्रेस की प्राथमिकता प्रदेश के लोगों की जान माल की रक्षा करना है जबकि भाजपा सरकार का।लक्ष्य मात्र अपनी कुर्सी बचाना है।

असम और मिजोरम में तनाव के मद्देनजर प्रधानमंत्री मोदी से मिले पूर्वोत्तर के भाजपा सांसद

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

हाल ही में असम और मिजोरम के बीच सीमा विवाद को लेकर पैदा हुएतनाव के मद्देनजर पूर्वोत्तर के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और आरोप लगाया कि कांग्रेस इस संवेदनशील मुद्दे पर राजनीति कर रही है। मुलाकात के बाद पत्रकारों से चर्चा में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने आरोप लगाया कि विदेशी ताकतें उकसाने वाले बयानों और सामग्रियों को तोड़मरोड़ कर बढ़ावा दे रही हैं और ऐसा करके क्षेत्र में आग को हवा देने का काम रही हैं।

रिजिजू ने बताया कि प्रधानमंत्री ने सांसदों से कहा कि पूर्वोत्तर उनके दिल के बेहद करीब है, इसलिए क्षेत्र के प्रति उनका प्यार भी स्वाभाविक है। रिजिजू के मुताबिक प्रधानमंत्री ने कहा कि वह इस क्षेत्र को राजनीति के चश्मे से नहीं देखते। इस मुलाकात के दौरान सांसदों के प्रतिनिधमंडल ने प्रधानमंत्री को एक ज्ञापन भी सौंपा और कहा कि जो भी तत्व असम-मिजोरम मामले को भारत में अव्यवस्था फैलाने के एक माध्यम के रूप में देख

रहे हैं, उन्हें वह कहना चाहते हैं कि उनकी शरारत काम नहीं करने वाली है।

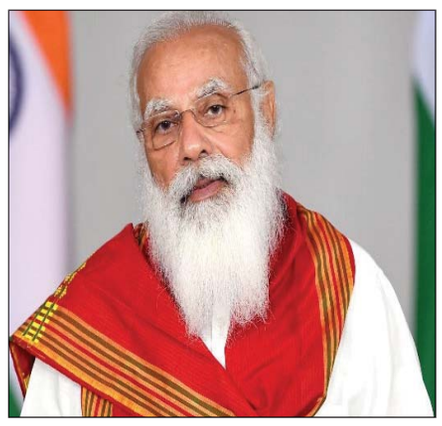

ज्ञापन में सांसदों ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार ने ''पूर्वोत्तर में विकास के ऐतिहासिक और बेमिसाल काम'' किए हैं। इस प्रतिनिधमंडल में पूर्वोत्तर के 16 सांसद मौजूद थे। इनमें 12 असम से, दो अरुणाचल प्रदेश और एक-एक मणिपुर और त्रिपुरा से थे।

हलाल के वैक्सीन सर्टिफिकेट को लेकर सोशल मीडिया पर मचा बवाल, हलाल नहीं वैक्सीन जरूरी हैशटैग हो रहा ट्रेंड

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

कोरोना वायरस महामारी ने दुनिया के तमाम मुल्कों में हाहाकार मचाया हुआ है। चीन के वुहार शहर से निकलते इस वायरस के खिलाफ 'वैक्सीन' एक मात्र हथियार है। केंद्र सरकार समेत प्रदेश की तमाम सरकारें सभी से अपनी बारी आने पर वैक्सीन लेने की अपील कर रही हैं। इसी बीच सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर हलालङ्कनहीङ्कवैक्सीनङ्कजरूरी नामक हैशटैग चल रहा है।

हैशटैग हलाल-नही-वैक्सीन-जरूरी के साथ फोटो भी काफी शेयर हो रहा है। जिसमें ऊपर की तरफ लिखा है कि हलाल सर्टिफिकेट भारत को इस्लामीकरण की ओर ले जाने वाला आर्थिक जिहाद ! इसके अलावा भी तरह-तरह के पोस्टर सोशल मीडिया में वायरल हो रहे हैं।

क्या है हलाल सर्टिफिकेट ?

आपको बता दें कि हलाल एक अरबी शब्द है जिसका उपयोग कुरान में भोजन के रूप में स्वीकार करने योग्य वस्तुओं के लिए किया गया है। इस्लाम में आहार संबंधी कुछ नियम बताए गए हैं जिन्हें हलाल कहा जाता है। लेकिन इसका संबंध मुख्य रूप से मांसाहार से है। जिस पशु को भोजन के रूप में ग्रहण किया जाता है उसके वध की प्रक्रिया विशेष रूप से बताई गई है। इसी के चलते मुस्लिम देशों में सरकारें ही हलाल का सर्टिफिकेट देती हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जो मीट वहाँ परोसा जा रहा है वो उनकी मजहबी मान्यताओं के अनुरूप है।

हमारे देश में भी भारतीय रेल और विमानन सेवाओं जैसे प्रतिष्ठानों से लेकर फाइव स्टार होटल तक हलाल सर्टिफिकेट हासिल करते हैं जो यह सुनिश्चित करता है कि जो मांस परोसा जा रहा है वो हलाल है। मैकडोनाल्ड डोमिनोज, जोमाटो जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनियां तक इसी सर्टिफिकेट के साथ काम करती हैं। लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि हमारे देश में यह सर्टिफिकेट सरकार द्वारा नहीं दिया जाता।

हलाल का सर्टिफिकेट भारत सरकार नहीं देती है। भारत में यह सर्टिफिकेट कुछ प्राइवेट संस्थान जैसे हलाल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, हलाल सर्टिफिकेशन सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जमायत उलमा ए हिन्द हलाल ट्रस्ट आदि।

इतना ही नहीं कोरोना वैक्सीन को लेकर भी कई मुस्लिम देशों के बीच चर्चा छिड़ गई थी। दरअसल इस्लाम धर्म में सुअर और शराब से निर्मित चीजों को हराम माना जाता है। ऐसे में वैक्सीन को लेकर कई तरह की अफवाहें सामने आने के बाद इंडोनेशिया और मलेशिया से बहस तेज हो गई और कहा गया कि कोरोना वैक्सीन बनाने वाली कंपनियां या फिर सरकारें इसकी पुष्टी नहीं करती हैं तब तक वैक्सीन लगवाना गुनाह है।

इसी बीच डब्ल्यूएचओ का बयान सामने आया था। जिसमें कहा गया था कि वैक्सीन

पूरी तरह से हलाल है। इसके निर्माण में किसी भी जाति और धर्म के लोगों को ठेस पहुंचाने का प्रयास नहीं किया गया। इतना ही नहीं वैक्सीन में जानवरों की हड्डी और चमड़ी का इस्तेमाल नहीं किया गया है। ऐसे में अफवाहों की तरफ ध्यान देने की आवश्यकता नहीं है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)